जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 260 प्रभात अजमेर, शनिवार 20 अप्रेल, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राज्य की बारह सीटों पर मतदान के बाद, कांग्रेस का मनोबल कुलाचें मार रहा है

अब कांग्रेस का आकलन है कि, वह चुरू, झुंझुनूं व दौसा जीत रही है

- इसी लय में कांग्रेस का यह भी मानना है कि, जयपुर ग्रामीण व सीकर में भी कड़े संघर्ष में है। जैसा कि विदित ही है, सीकर की सीट कांग्रेस ने गठबंधन में मार्क्सवादी पार्टी को दी है।
- कांग्रेस को यह भी आशा है कि, मतदान के अगले चरण में, जो कि 26 अप्रैल को होगा, वह कुछ और सीट भी जीत सकती है।
- कांग्रेस यह विश्वासपूर्वक कह रही है कि, राजपूत, जाट, गुर्जर, मुसलमान व किसी हद तक अनुसूचित जातियां भी भाजपा के खिलाफ हो गयी हैं।
- और यह परिवर्तन बहुत मजबूती से यू.पी. में देखा जा सकता है।
- गत लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 62 सीटें जीती थीं यू.पी. में।
- बंगाल में मतदान का प्रतिशत काफी बढ़ा है और भाजपा का मानना है कि, बढ़े हुए मतदान प्रतिशत के कारण वह बंगाल में गत चुनाव के मुकाबले ज्यादा सीटें जीतेगी। पर यह खबर भी आ रही है कि, ममता बनर्जी जम कर लड़ रही हैं और अन्ततोगत्वा उनकी सीटें कम नहीं होगी।
- तमिलनाडू व केरल में भाजपा का प्रयास है कि, प्र.मंत्री मोदी के भारी फोकस के कारण वह कुछ सीटें जीत कर नया इतिहास बनायेगी, पर, वर्तमान में शायद नया इतिहास बनाने का सपना पूरा नहीं हो सकेगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। राजस्थान के 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आज वोट डाले गए।

कांग्रेस विशेष रूप से उत्साहित है।

आकलन ये है कि कांग्रेस चूरू, झुंझुनूं और दौसा में जीत रही है।

कांग्रेस पार्टी, जयपुर ग्रामीण और सीकर में कड़ी टक्कर दे रही है। कांग्रेस ने सीकर सीट अपने गठबंधन सहयोगी माकपा को दी हुई है।

इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में बिल्कुल ही अलग स्थिति है जिनमें कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था।

आगामी 26 अप्रेल को राजस्थान में होने जा रहे मतदान के दूसरे चरण में भी कांग्रेस को कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है।

राजस्थान में भाजपा ने हाल ही विधानसभा चुनाव जीता है, लेकिन राज्य की जनता का मूड इस बार अपेक्षाकृत फीका है और भाजपा भी स्वयं को सक्रिय करने में विफल रही है।

इसके साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने इस बार कड़ी चुनौती है। राजपूत, जाट, गुर्जर, मुस्लिम और कुछ हद तक दलित भी भाजपा के खिलाफ हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश, जो कि अब तक भाजपा की रीढ़ की हड्डी रहा है, में जातिगत, समीकरण प्रकट रूप से काफी मजबूती से दिखते हैं।

पिछली बार भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 62 लोकसभा सीटें जीती थीं और उस आंकड़े में इस बार अच्छी-खासी गिरावट की संभावना है।

मजेदार बात यह है कि उत्तर प्रदेश के अलावा सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल पर हैं, जहाँ पिछली बार भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेठी ने रिजैक्ट किया तो राहुल वायनाड आए हैं'

- भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने राहुल गांधी के खिलाफ वायनाड में एक सभा में कहा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को केरल के वायनाड में जबरदस्त रोड शो किया, यहां से उनकी पार्टी ने केरल भाजपा के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन को कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है।

उन्होंने दावे के साथ कहा कि राहुल यहां उत्तर प्रदेश से हैं वे अपनी खानदानी अमेठी सीट छोड़ आए हैं क्योंकि अमेठी के लोगों ने उन्हें अस्वीकार कर दिया है।

नड्डा ने कहा: ''राहुल गांधी भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद एवं तुष्टिकरण को बढ़ावा देते हैं। राहुल गांधी, भ्रष्ट व्यक्तियों के साथ जुड़े रहे हैं, और वे स्वयं भी भ्रष्टाचार के मुकदमों में जमानत पर बाहर हैं। वो केवल वोट बैंक की राजनीति में संलिप्त रहते हैं, यही वो कारण है जिसकी वजह से कांग्रेस सी.ए.ए. का विरोध कर रही है।''

उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस एस.डी.पी.आई. के समर्थन से चुनाव लड़ रही है, जो कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पी.एफ.आई. की राजनीतिक पार्टी है इसके साथ ही कांग्रेस इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से भी समर्थन प्राप्त कर रही है। एस.डी.पी.आई. ने राज्य विधानसभा के चुनावों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षक भर्ती पेपरलीक केस में ई.डी. कोर्ट ने प्रसंज्ञान लिया

- ई.डी. ने पुखराज, पीमाराम, सुरेश कुमार, विजय डामोर और अरूण शर्मा के खिलाफ मनी लॉन्डरिंग के संबंध में पूरक अभियोजन शिकायत पेश की थी।

जयपुर, 19 अप्रैल। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पांच आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रसंज्ञान लिया है। ईडी ने पांचों आरोपियों पुखराज, पीमाराम, सुरेश कुमार, विजय डामोर और अरुण शर्मा के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2022 के तहत पूरक अभियोजन शिकायत पेश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहले चरण में 62.37 फीसदी मतदान

- त्रिपुरा में सर्वाधिक 80.17 फीसदी मतदान हुआ, बिहार में सबसे कम 48.50 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने पहुँचे।

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (वार्ता)। भारत की 18वीं लोक सभा के चुनावों के पहले चरण में शुक्रवार को 102 सीटों के लिये हुये मतदान में 62.37 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

लोकसभा की 102 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरे कुल 1625 उम्मीदवारों का चुनावी भविष्य इलैक्ट्रानिक मतदान मशीनों के मेमोरी कार्ड में लॉक हो गया है। इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी, किरण रिजिजू, सर्बानंद सोनोवाल, अर्जुन राम मेघवाल और भूपेन्द्र यादव सहित आठ केन्द्रीय मंत्री भी शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग के अनुसार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल व केरल के मु.मंत्री के बीच कटुता शुत्रता तक पहुंच गयी है

राहुल ने आमसभा में कहा, ''मैं भाजपा की आलोचना चौबीस घंटे करता हूँ, पर मु.मंत्री विजयन चौबीस घंटे मेरी ही आलोचना में जुटे रहते हैं, यह माजरा क्या है''

- राहुल गांधी ने इसी लय में आगे कहा, दो मु.मंत्री जेल में हैं, पर, केरल के मु.मंत्री विजयन आराम से स्वतंत्र घूम रहे हैं।
- राहुल का इशारा मु.मंत्री विजयन के निजी सचिव के खिलाफ 2020 में सोने की तस्करी की गिरफ्तारी की ओर था तथा उन्होंने ई.डी. द्वारा विजयन की पुत्री को गैर कानूनी भुगतान के मामले में जांच प्रकरण की भी याद दिलाई।
- विजयन ने पलटवार करते हुए, राहुल पर कटाक्ष किया, सी.ए.ए. के मुद्दे पर राहुल व संघ परिवार का सोच व स्टैण्ड एक सा ही क्यों है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन सहयोगी और राज्य में राजनीतिक प्रतिद्वंदी, इस स्थिति में यह उम्मीद करना उचित ही था कि, सी.पी.एम. (माकपा) और कांग्रेस पार्टी दक्षिण के राज्य केरल के चुनावी युद्ध में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। लेकिन, कांग्रेस नेता राहुल गाँधी और केरल के मुख्यमंत्री पिनारी विजयन के बीच जिस हद तक कटुता है, उसे देखकर लोग चकित हैं।

हाल ही में कन्नूर की एक चुनाव रैली में, केन्द्रीय जाँच एजेन्सियों द्वारा विजयन की गिरफ्तारी की मांग करते हुए राहुल गाँधी ने कहा, ''दो मुख्यमंत्री जेल में हैं, पर, केरल के मुख्य मंत्री विजयन आराम से स्वतंत्र घूम रहे हैं।'' भाजपा के साथ विजयन के ''लिंक'' होने के संकेत देते हुए, राहुल ने आगे कहा, ''वो (विजयन) कहते हैं कि भाजपा के साथ वो सैद्धांतिक लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन मैं जानता हूँ कि, जब आप भाजपा के साथ सिद्धांतों पर लड़ते हैं तब वो आपके ऊपर हमला करने में अपनी पूरी ताकत लगा देती है। तथापि, केरल के मुख्यमंत्री पर कोई हमला नहीं हो रहा है। यह ऐसी बात है जिस पर केरल के लोगों को विचार करना चाहिए।''

स्पष्ट रुप से राहुल का संकेत ई.डी. द्वारा सन् 2020 में शुरु किए गए सोने की तस्करी के केस की तरफ था, जिसमें, मुख्यमंत्री के पूर्व प्रिंसिपल सैक्रेटरी को गिरफ्तार किया गया था। ई.डी. इस समय अवैध भुगतान के एक मामले की जाँच कर रही है जिसमें विजयन की बेटी शामिल हैं। राहुल गाँधी ने कहा, ''मैं चौबीस घंटे भाजपा पर हमले कर रहा हूं और केरल के मुख्यमंत्री चौबीस घंटे मेरे ऊपर आक्रमण कर रहे हैं। यह कुछ अटपटा है।''

अपनी तरफ से विजयन ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। बुधवार को पलक्कड में एक रैली में विजयन ने पूछा, ''कांग्रेस पार्टी और विशेष रुप से राहुल गांधी सिटिज़नशिप अमैन्डमैंट एक्ट (सी.ए.ए.) पर चुप क्यों है, जबकि, पिछले महीने ही इसके नियम अधिसूचित किए जा चुके हैं। कांग्रेस को यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि, सी.ए.ए. के बारे में उनका रुख भी वही है जो संघ परिवार का है।''

विजयन की इस आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता, वी.डी. सतीसन ने आरोप लगाया कि, मुख्यमंत्री विजयन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कृपा दृष्टि पाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''केरल के लोग यह समझ सकते हैं और देख सकते हैं कि, उनका उद्देश्य कांग्रेस को कमज़ोर करने का है।''

डी.एम.के. विजय रथ को रोकने की क्षमता केवल अभिनेता राजनीतिज्ञ सीमान में है?

- सीमान की पार्टी, जिसके पास लगभग 5.8 प्रतिशत वोट हैं, स्वयं तो सीट नहीं जीत सकती लोकसभा चुनाव में, पर डी.एम.के. के वोट बैंक में सेंध लगाकर कांटे की टक्कर वाली सीट हरवा सकती है।
- सीमान स्वयं एक प्रभावशाली वक्ता हैं, अपने भाषणों में डी.एम.के. से भी ज्यादा ''नॉर्थ'' विरोधी हैं।
- उदाहरण के लिये, वे राम मंदिर विरोधी हैं तथा राम के मुकाबले स्थानीय देवता मुरूगन व शिव को खड़ा करते हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। तमिलनाडू के चुनावों में द्रमुक के विपक्षी गठबंधन इंडिया की संभावनाओं को अगर कोई बनाया बिगाड़ सकता है तो वह एक्स फैक्टर है एक्टर से राजनेता बने सीमान व उनकी पार्टी नाम तिमझार काची की मौजूदगी

भाषण कला में माहिर इस वक्ता के कुछ ऐसे कठोर ओर शक्तिशाली विचार हैं जो तमिलों को प्रभावित कर सकते हैं और उनमें ऐसी ताकत है कि लोकसभा के चुनावों में बहुत ही कांटे की टक्कर में भी अपना प्रभाव दिखा सकते हैं। वह और उनकी पार्टी तमिलनाडू की समस्त 39 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पड्डुचेरी केन्द्र शासित क्षेत्र में भी लड़ रही है तथा पार्टी का वोट शेयर प्रदेश में 5 से 8 प्रतिशत के नज़दीक रहने की अपेक्षा है।

प्रारम्भिक रिपोर्टों के अनुसार, राज्य 60 प्रतिशत से कुछ ही अधिक मतदान हुआ है, इससे यह संकेत मिलते हैं कि मतदाताओं में ज्यादा उत्साह नहीं है और यह द्रमुक के अधिपत्य को चुनौती देने वालों के लिए समस्या खड़ी कर सकता है। अन्नाद्रमुक एवं भाजपा दोनों के बीच चुनावी गठबंधन टूट जाने से अब तमिलनाडू में चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

परन्तु सीमान फैक्टर, जो कि चौथा एक्स फैक्टर है उसको अधिकांशतः चुनाव विश्लेषणकर्ताओं ने अपना आकलन करते समय पूर्णरूप से नज़र अंदाज़ कर दिया था, हाँ, बहुत सारे चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार द्रमुक को उम्मीद थी कि वे आसानी से अपने गढ़ में जीत जाएंगे, क्योंकि भाजपा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तीन दिन में अरूणा रॉय व निखिल डे की अर्जी पर निर्णय लेंगे'

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, राज्य सरकार व मजिस्ट्रेट, चुनाव के पहले किसी भी प्रकार की यात्रा, धरना या सभाएं आयोजित करने पर ''ब्लैंकेट ऑर्डर'' पास कर देती है, ''यह कैसे हो सकता है''?
- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार चुनाव आयोजित करना कोई जायज़ कारण नहीं है, सब प्रकार के धरने, प्रदर्शन सभा व यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का।
- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि, शायद ये आदेश ''मैकैनिकली'' जारी किये गये हैं, क्योंकि सैक्शन 144 लागू करने के लिये न तो गहरायी से सोचा गया है, न ही इस बात के पक्ष में कारण बताये गये हैं कि, चुनाव की तिथि घोषित हो जाने से चुनाव के नतीजे आने तक, क्यों धारा 144 लगाना आवश्यक है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अंतरिम आदेश जारी कर राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सक्षम प्राधिकरणों को निर्देश दिए कि चुनावों को लेकर जनता को शिक्षित करने के उद्देश्य से संचालित की जाने वाली यात्राओं या सार्वजनिक सभाओं की अनुमति चाहने वाले आवेदनों पर तीन दिन के भीतर निर्णय लिया जाए।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस संदीप मेहरा की एक बैंच ने एक याचिका पर यह निर्देश दिए। याचिका में मांग की गई थी कि वर्तमान में जारी लोकसभा चुनावों के आधार पर ही आपराधिक आचार संहिता (सी.आर. पी.सी.) की धारा 144 के अन्तर्गत जो प्रतिबंधी आदेश जारी किए गए थे, उन्हें रद्द किया जाए।

बैंच ने इस प्रकरण की सुनवाई दो हफ्ते बाद तय करते हुए इस पर आश्चर्य व्यक्त किया कि चुनावों के दौरान किसी सभा को निषिद्ध करने के लिए आदेश दिए जा रहे हैं। उसने प्रश्न किया कि ऐसे आदेश कैसे दिए जा सकते हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं सामाजिक कार्यकर्ता अरूणा रॉय और निखिल डे की ओर उपस्थित एडवोकेट प्रशांत भूषण ने बैंच को बताया कि पिछले छह माह से चुनाव आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा से लेकर चुनाव परिणाम आने तक के लिए सी.आर.पी.सी. की धारा 144 के तहत पूर्ण आदेश जारी किए जाते रहे हैं।

बैंच को बताया गया कि इस प्रकार के आदेश चुनावों के दौरान लोगों के एकजुट होने, सभाएं करने और प्रदर्शन करने को प्रतिबंधित करते हैं।

भूषण ने कहा कि अरूणा रॉय और निखिल डे, दोनों ने ही पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक ''यात्रा'' के संचालन की अनुमति मांगी थी।

लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन को ऐसे आवेदनों पर एक नियत समय के भीतर निर्णय लेना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता अरूणा रॉय और निखिल डे ने शीर्ष अदालत की शरण लेकर उससे अनुरोध किया है कि वह लोकसभा अथवा विधानसभा के किसी भी चुनाव से पूर्व मजिस्ट्रेटों और राज्य सरकारों द्वारा धारा 144 के तहत मनमाने आदेश जारी किए जाने पर प्रतिबंध लगाए। इन आदेशों के तहत चुनाव परिणाम की घोषणा तक जनता द्वारा सभाएं व सम्मेलन करने और जुलूस निकालने और धरना देने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है।

अरूणा रॉय और निखिल डे की याचिका में कहा गया है कि ये निषेधात्मक आदेश चुनावों से पूर्व किसी मुद्दे पर मुक्त चर्चा करने, उसमें भाग लेने और उसका आयोजन करने अथवा उसे आगे बढ़ाने में सभ्य समाज और आमजन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।

वर्ष 1973 के कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर (सी.आर.पी.सी.) की धारा 144 किसी राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के कार्यकारी मजिस्ट्रेट को ऐसा आदेश पारित करने की शक्ति प्रदान करती है, जिसके तहत किसी क्षेत्र में हाल ही हुई असामाजिक घटना अथवा उससे आसन्न खतरे को रोकने के लिए वहाँ चार या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगायी जा सकती है।

चुनाव संचालित करने के लिए धारा 144 लगाना धारा 144 के ही अन्तर्गत कोई वैध आधार नहीं है और ना ही यह ऐसी कोई अत्यावश्यक स्थिति है जिसमें ऐसे व्यापक निषेधात्मक आदेश लागू किए जाने को न्यायसंगत ठहराया जा सके। याचिका में कहा गया है कि यहाँ धारा 144 के सभी आदेश विवादित हैं, उन्हें आम जनता पर निषेधाज्ञा लगाने के उचित कारण अथवा अत्यावश्यकता का औचित्य ठहराए बिना पारित किया गया है और यह वोट देने के अधिकार के साथ अवैध रूप से हस्तक्षेप करने के समान है।

याचिकाकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि ये निषेधाज्ञाएं उन लोगों सहित सभी पर लागू हैं, जिनका कोई एजेण्डा या उद्देश्य नहीं है और जो किसी राजनीतिक पार्टी अथवा प्रत्याशी से भी संबंधित नहीं है।

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

गर्मी में इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी हलकान

यह गर्मी का मौसम है। इसमें पानी की कमी और बीमारियां आम बात है। विशेषकर मानव को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता है। मानव गर्मी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है मगर बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए गर्मी प्रताड़ना का काम करती है। गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों में कई प्रकार की परेशानी देखने को मिलती है क्योंकि गर्म हवा और चिलचिलाती धूप उनके लिए अनुकुल नहीं होती है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे पशुओं और पक्षियों पर इसका असर देखने को मिलेगा। गर्मी ने धीरे-धीरे अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे में इंसानों के साथ पशु-पक्षी भी काफी बेहाल है।

उमस होने के कारण जब इंसानों के पसीने छूट रहे हैं, ऐसे में आसमान में उड़ने वाले परिंदों पर क्या बीत रही है। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है और इस चिलचिलाती धूप में बार-बार प्यास लगना स्वाभाविक है। मौसम अपने परिवर्तन के साथ कई प्रकार की परेशानियां लेकर आता है। तापमान का पारा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। बढ़ती गर्मी लोगों के साथ ही पक्षियों के लिए भी बेहाल करने लगी है। पक्षी इस मौसम में ज्यादा प्रभावित होते हैं। मानव जैसे-तैसे इस भीषण गर्मी से सुरक्षित रख पाता है, लेकिन आवारा पशु व पक्षियों के लिए ये गर्मी मुश्किलें पैदा करती हैं, खाना और पानी की खोज में लगातार धूप में उड़ते रहने से वे कमजोर हो जाते हैं। इस तपती गर्मी में पेड़ों की लगातार कमी और सूखते जल स्त्रोत की वजह से पक्षी और अन्य जानवर आश्रय और दाना पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं। आदमी को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु-पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। इस गर्मी में पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। आपको अगर ऐसा लग रहा है कि पक्षी-जानवर तो अपने लिए पानी का इंतजाम कर ही लेते होंगे। असल में ऐसा है नहीं है। एक समय था जब वे पानी की व्यवस्था कर लेते थे, क्योंकि तब उनके लिए पानी के प्राकृतिक स्त्रोत जैसे नदी, तालाब आदि थे। जो अब या तो नष्ट हो चुके हैं या गंदे हो गए हैं। गर्मी का असर पशुओं के साथ-साथ पक्षियों पर होता है।

सच तो यह है पक्षी गर्मी के झुलसते मौसम में ज्यादा प्रभावित होते हैं। खाना और पानी की खोज में लगातार धूप में उड़ते रहने से वे कमजोर हो जाते हैं। इसके अलावा पेड़ों की कटाई-छंटाई के कारण कहीं रुककर आराम करने के लिए इनके पास कोई आशियाना भी नहीं होता है। हर साल पक्षियों के गिरने या घायल होने के ढेरों मामले सामने आते हैं। इस सबके चलते हर साल गर्मियों के मौसम में पक्षियों और जानवरों की अकाल मौत हो जाती है।

गर्मियों का मौसम मानव के साथ-साथ पशु पक्षियों के लिए बहुत कष्टप्रद होता है। इस बार मार्च की अपेक्षा अप्रैल के महीने से तेज गर्मी देखने को मिली। गर्मी ने पशु-पक्षियों को चपेट में लेना शुरू कर दिया है। पशु-पक्षियों को जिंदा रहने के लिए हर रोज पानी की जरूरत होती है। गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्त्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है। गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है। गर्मी की तपन के साथ बेजुबान जानवरों की परेशानियां बढ़ गयी। एक जमाना था जब देशभर में पानी के प्राकृतिक स्त्रोत मौजूद थे। मगर आज पानी के प्राकृतिक स्त्रोत न के बराबर हैं। जो बचे भी हैं उनका पानी पीने योग्य नहीं है। ऐसे में आप तो अपने घर में साफ पानी की व्यवस्था कर लेते हैं मगर जानवरों और पक्षियों को इन्हीं गंदे पानी के स्त्रोतों से प्यास बुझानी पड़ती है जिससे इनको फायदा कम होता है बल्कि ये बीमार भी हो जाते हैं।

गर्मियों में हर साल सैकड़ों पक्षी और आवारा पशु पानी की कमी से मर जाते हैं। तेजी से कम होते प्राकृतिक जल स्त्रोत और पेड़ों की कमी से इन बेजुबानों की स्थिति विकट हो गई है। गर्मियों में पक्षियों को भी प्यास अधिक लगती है जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है। गर्मी की तपन के साथ बेजुबान जानवरों की परेशानियां बढ़ गयी। एक जमाना था जब देशभर में पानी के प्राकृतिक स्त्रोत मौजूद थे।

घरों के आँगन तथा छत पर पंछियों के लिए छोटे-छोटे पात्रों में जल भरकर रखना चाहिए, जिससे गर्मी में थक कर आये पक्षी जल ग्रहण कर पुन: अनंत आकाश में गोता लगा सकें। गर्मी की तपन से इन्हें बचाने के लिए जिस तरह इंसान को शुद्ध पानी और वायु की जरूरत होती है, उसी प्रकार गर्मी में पशु, पक्षियों के लिए पानी का इंतजाम लोग करते हैं, ताकि पक्षियों को भी जीवन मिल सके। पशु-पक्षियों की सेवा करने वाले लोगों का मानना है घर की छतों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने से घर में स्मृद्धि आती है। शास्त्रों में बेजुबान जानवरों की सेवा करने के लिए कहा गया है। इसका भी अपना धार्मिक महत्व है। साथ ही पशुओं और पक्षियों की सेवा करने से मन को काफी शांति मिलती है। ज्योतिष के अनुसार भी पक्षियों को पानी पिलाने के बहुत से फायदे हैं। पशु-पक्षियों को दाना और पानी खिलाने-पिलाने से भविष्य में आपके ऊपर आने वाली परेशानियां ये बेजुबान जानवर उसे अपने ऊपर ले लेते हैं। इसके अलावा यह आपके ग्रह संबंधी दोषों को भी दूर करते हैं जिससे आपकी परेशानियां कम होने लगती है।

गर्मी शुरू होते ही समाज सेवी लोग जगह-जगह प्याऊ की व्यवस्था करते है। आज जरुरत इस बात की है की ठीक वैसे ही पक्षियों के लिए भी प्याऊ की व्यवस्था की जाये ताकि उन्हें भी गर्मी में साफ और ठंडा पानी मिल सके। साफ पानी न मिलने से उन्हें गर्मी में ज्यादा तकलीफ होती है। पानी खत्म होते ही दूसरा पानी और गर्म होते ही ठंडा पानी भरें, ताकि जानवरों को भी शुद्ध और ठंडा पानी मिल सके। घर के बाहर या बालकनी में छांव वाली जगह पर बर्तन में पानी भरकर रखें। पानी और दाना आदि रख रहे हैं तो नियमित तौर पर इसे बरकरार रखें। इस चीज को सुनिश्चित कर लें कि पानी का बर्तन जानवर या पक्षी के आकार के लिहाज से उचित हो, ज्यादा छोटा या ज्यादा बड़ा बर्तन भी ठीक नहीं। एक समय ऐसा भी था जब लोग अपने घरों के बाहर जानवरों के लिए पानी के छोटे कुंड बनाते थे मगर शहरीकरण के कारण यह व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गयी। गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु-पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते है। पक्षी है तो संसार का अस्तित्व है। गर्मी और अन्य समस्याओं से पक्षियों का बचाव बहुत जरुरी है। हमें हमेशा पक्षियों के प्रति प्रेम और सद्भाव से पेश आना चाहिए ।

वह भी हमारी तरह खुशी और दु:ख के भाव महसूस करतें हैं। वे बोल नहीं सकतें पर उनकी अपनी बोली है। कहीं लोग पक्षी पालतें हैं। पिंजरें में पक्षियों को रखकर पालना गलत है। पक्षी स्वभाव से आजाद है उनको आजाद छोड़ना ही सही होता है। यदि हम किसी पीड़ित पक्षी को देखें तो उसकी मदद करनी चाहिए। पक्षियों को चिकित्सक के पास ले जाकर उसका इलाज करवाना बड़े पुण्य का काम होगा। पक्षी भी पीड़ा महसूस करतें हैं। बहुत कम लोगों में पक्षी के प्रति प्रेम भावना जीवित हैं। अगर किसी में यह न भी हो तो कम से कम उन्हें तंग न करें। किसी छोटे बच्चे को किसी प्राणी पर अन्याय करते हुए देखें तो उन्हें रोकें और समझाएं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों की सर्वकालीन उपादेयता सर्वसिद्ध है

भागचंद जैन मित्रपुरा

वीर निर्वाण संवत सबसे प्राचीन जैन धर्म अनादि, शास्वत धर्म है। इस काल में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है। भगवान महावीर का जन्म 599 ई.पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर-वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिशला था। वर्हदमान के जन्म के समय स्वर्गलोक से जन्मोत्सव मनाने आए सौधर्म इंद्र ने बालक की शक्ति को अनुभव किया और वीर नामकरण कर दिया। महावीर के जन्म के साथ ही राज्य समृद्ध होने लगा एवं चारो ओर राज्य की कीर्ति फैलने लगी, इसे देखते हुए बालक का वर्धमान नाम रखा गया। कालांतर में दो चारण ऋद्धिधारी मुनियों का शंका समाधान वर्धमान को देखते ही स्वत: ही हो गया, उन्होंने वर्धमान को सन्मति नाम से पुकारा। गजशाला के एक मदोन्मत्त हाथी को वश में करने पर अतिवीर कहलाए।

संगम देव द्वारा भयंकर सर्प का रूप धारण कर वर्धमान की शुरवीरता की परीक्षा ली। सर्प को वश में कर लेने पर महावीर के नाम से जाने जाने लगे। महावीर जन्म से परोपकार में लग गए थे। भगवान महावीर का जन्म ऐसे समय में हुआ जब कर्मकांडों का बोलबाला था एवं यज्ञों में जीवित पशुओं की बलि दी जाती थी। महावीर धीरे-धीरे बड़े होने लगें। उन्हें अपने आत्म कल्याण का समझ में आने लगा था। इस संसार को निस्सार मानते हुए भोगों में कभी प्रवृत्त नहीं हुए और आत्म चिंतन में लीन रहने लगे। तीस वर्ष की अवस्था में ही गृह त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर आत्म ध्यान में लीन हो गए। लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्यभाव की साधना की, पंचमहाव्रत आत्मसात किया।

एक दिन ऋजुकूला नदी के किनारे आत्म ध्यान में लीन थे तब अपने घातिया कर्मो का नाश कर उन्हे वैशाख शुक्ला दशमी के दिन सम्पूर्ण ज्ञान, केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। इन्द्र की आज्ञा पाकर धनपति कुबेर ने समवशरण की रचना की। लेकिन गणधर के अभाव में छयाछठ दिन तक उनकी दिव्य ध्वनि नहीं खिरी। इंद्रभूति नामक ब्राह्मण के समवशरण में आने पर भगवान की दिव्य वाणी खिरी एवं इंद्रभूति के प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रथम उपदेश में जीव के स्वरूप का ज्ञान कराया। इंद्रभूति ही भगवान के प्रथम गणधर बने जो गौतम गणधर के नाम से प्रसिद्ध हुए। तीर्थंकर के 10 और गणधर बने। भगवान अर्ध-मागधी भाषा में तत्वों का उपदेश करते थे और गौतम गणधर उसे ग्रंथ रूप में संकलित करते थे।

महावीर ने 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पद विहार कर संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य धर्म को आम जन में प्रसारित किया। रत्नत्रय की अवधारणा से परिचित कराया। भगवान महावीर धर्म का प्रचार करते करते पांवापुर आए, वहां योग - निरोध कर आत्मध्यान में लीन हो विराजमान हो गए। अघातिया कर्मो का नाश कर कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन प्रात:काल के समय 72 वर्ष की अवस्था में, ईसा से 527 वर्ष पूर्व निवार्ण प्राप्त किया। इस दिवस को दीपावली के रूप में मनाते है।

भगवान महावीर एक विलक्षण सम्पूर्ण जीवन दृष्टा थे। उन्होंने कर्म सिद्धांत को अपनाया, कर्म करने पर ज़ोर दिया। यह संदेश दिया कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। इस तरह ईश्वर की सत्ता की जगह हम सब में ईश्वर बनने की क्षमता का संचार किया। यह संदेश दिया कि हमारे सुख-दुख के लिए हम स्वंय ज़िम्मेदार है। हमारे द्वारा किये गये कर्मों का फल हमें स्वयं ही भोगना है। भगवान महावीर के सिद्धांतों में से वर्तमान परिपेक्ष में अहिंसा, अनेकांतवाद व अपरिग्रह की विशेष उपयोगिता है।

भगवान महावीर ने अहिंसा के सूक्ष्म से सूक्ष रूप का व्यापक विश्लेषण किया है। अहिंसा को जीवन शुद्धि का आधार बताया है। यदि संसार के तथाकथित शक्ति के केंद्र जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के ऊपरी आवरण का भी पालन कर ले या समझ भी ले तो रूस एवं यूक्रेन, चीन एवं ताईवान, फिलिस्तीन (हमास) एवं इजराइल, आदि देशों के बीच जारी भीषण विभित्सिका को रोका जा सकता है। युद्ध का अंत अवश्यंभावी है, लेकिन अहिंसा से ही संभव है। अहिंसा पालन जैन धर्म का एकाधिकार नहीं है, लेकिन मार्ग दर्शक जरूर है। सभी को अहिंसा के मार्ग पर आना होगा, इसके बिना और कोई दूसरा उपाय नहीं है। हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन ख़ुशहाल हो सकता है, यही सत्य है। मन, वचन और कर्म से अहिंसा को आत्मसात करने का संदेश समाज में स्थाई शान्ति के लिए महत्वपूर्ण है। भगवान महावीर ने किसी और पर विजय प्राप्त करने की बजाय, जिसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है, स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी। दूसरों का बुरा चाहकर कोई भी अपना भला नहीं कर सकता है। भगवान महावीर की अहिंसा के अमोघ हथियार को महात्मा गाँधी ने अपनाया और भारत को शक्तिशाली अंग्रेज़ों की दासता से मुक्त कराया। कोरोना काल ने महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता सर्व सिद्ध कर दी है।

तीर्थंकर महावीर ने हमें अनेकांतवाद का दर्शन दिया। अनेकांत दृष्टि हमें सहिष्णु बनाती है, जीओ और जीने दो या सह अस्तित्व का उदार भाव प्रदान करती है। भगवान महावीर के अनुसार सबसे बड़ी बुराई वैचारिक मतभेद की है, और आज दुनिया इसी कारण संघर्ष कर रही है। वैचारिक मतभेद अनेक समस्याओं की जड़ है। महावीर ने मताग्रह छोड़ने एवं विचारों मे समानता तथा सहिष्णुता पैदा करने पर बल दिया। अनेकांत का अर्थ है वस्तु को अनेक गुणों या धर्मों में देखना। अनेकेअन्ता: धर्म्म: यस्मिन् स अनेकांत। महावीर ने कहा कि वस्तु के अनंत धर्मों और पर्यायों को अनन्त चक्षुओं से देखो, किसी एक कोण से नहीं। अनेकांत का सिद्धान्त पारस्परिक सौहार्द को बढ़ाता है मनमुटाव, द्वेष व जलन को दूर करता है। इस सिद्धांत को अपनाने से स्वयं, परिवार, समाज, देश व सम्पूर्ण विश्व में वैचारिक आतंकवाद का ख़ात्मा किया जा सकता है। यह अवधारणा सभी समस्याओं का समाधान प्रदान करती है।

भगवान महावीर अपरिग्रह का सिद्धान्त सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन करना सिखाता है। अधिक सम्पत्ति एकत्र करने के लिए हिंसा, झूठ, चोरी तथा कुशील का सहारा लेना पड़ता है। तनाव, चिन्ता और बीमारियों की जड़ परिग्रह है। यहाँ तक कहा गया है कि दान देने के लिए भी संग्रह नहीं करना चाहिए। जैन दर्शन एक नया चिंतन देता है। रत्नत्रय सम्यक दर्शन, सम्यक्ज्ञान एवं सम्यक्चारित्र तीनों सही रूप में जीवन में उतारेंगे तभी जीवन की सार्थकता होगी एवं मोक्ष मार्ग प्रशस्त होगा। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति की दिशा में इन सिद्धांतों का प्रयोग किया। उन्होंने स्त्रियों के उत्थान के लिए दासता, सामाजिक समता, समान दर्जा आदि के लिए शुरूआत की। वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के साथ स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जनसंख्या नियन्त्रण जैसे अभियानों के संदर्भ में भगवान महावीर के सिद्धांत अत्यधिक प्रासंगिक हो गये है। यद्यपि भगवान महावीर ने ईसा से 599-527 वर्ष पूर्व लोगों के जीवन दर्शन की राह दिखलाई थी तथापि 2550 वर्ष पश्चात भी उनके बताये गये सिद्धांत पूर्णत: प्रासंगिक है। सार्वकालिक है, सार्वभौमिक है, कल-आज और कल हर समय उपयोगी है। कोरोना काल में महावीर के सिद्धान्त व जैन जीवन शैली पूर्णतया कारगर रही है। जैन धर्म केवल जैनियों का ही धर्म नहीं है, जैन धर्म के सिद्धान्तों की पालना करके कोई भी जैन बन सकता है एवं अपना जीवन सार्थक कर सकता है। क्या किसी भी जीव को सताए बिना, मारे बिना, लड़ाई किए बिना कोई वीर, अतिवीर, सन्मति वीर एवं महावीर बन सकता है? तीर्थंकर महावीर ने ऐसा करके दिखाया है। जीओ और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म :, परस्परोप ग्रहो जीवानाम् की अवधारणा को जन मानस द्वारा आत्मसात करना है। तीर्थंकर महावीर की स्मृति में वीर निर्वाण सम्वत भगवान महावीर के निर्वाण के अगले दिन से ही 2550 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ। यह विश्व में सबसे प्राचीन सम्वत है एवम् प्रचलन में है। भगवान महावीर का 2623वाँ जन्म कल्याणक वर्ष बिना किसी आडंबर के अहिंसा का पालन करते हुए मनोयोग से मनाएं।

संकलन-भागचंद जैन
मित्रपुरा,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

जैसलमेर गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में अब गोडावण की संख्या बढ़कर 32 हुई

गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में अंडे में से चूजा निकला

जैसलमेर, (निसं)। जिले के गोडावण ब्रीडिंग सेंटर से खुशखबरी आई है। सम गांव स्थित सुदासरी के गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में टोनी नामक मादा गोडावण के अंडे से एक नन्हा चूजा निकला है। गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में अब गोडावण की संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

डेजर्ट नेशनल पार्क डीएफ़ओ आशीष व्यास ने बताया कि ब्रीडिंग सेंटर में लगातार गोडावण का कुनबा बढ़ रहा है। आशीष व्यास ने बताया कि सुदासरी स्थित गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में गुरुवार को टोनी नामक मादा ने लियो नामक मेल गोडावण से मेटिंग के बाद दिए अंडे से चूजा बाहर आया है। उन्होंने बताया कि इस सीजन का ये तीसरा चूजा है। इस तरह अब गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में गोडावण की संख्या लगातार बढ़ते हुए 32 तक पहुंच गई है। वन्यजीव प्रेमियों के लिए ये बहुत बड़ी खुशी की बात है कि सरकार के ब्रीडिंग सेंटर में कुनबा बढ़ रहा है।

व्यास ने बताया कि 2019 में जंगल में मिले एक अंडे से एक मादा गोडावण ने जन्म लिया था। उस अंडे से निकली मादा का नाम अफ्रीकी मूल की पहली अमेरिकी लेखिका टोनी मॉरिसन के नाम पर रखा गया, क्योंकि उसी दौरान नोबल पुरस्कार विजेता टोनी मॉरिसन का निधन हुआ था। सम स्थित ब्रीडिंग सेंटर में टोनी मॉरिसन नामक मादा गोडावण के अंडे से बाहर आया चूजा विशेषज्ञों के ऑब्जर्वेशन में है और पूरी तरह स्वस्थ है। जिले में गोडावण की तादाद बढ़ाने के लिए कई सालों से सम स्थित सुदासरी में ब्रीडिंग सेंटर चलाया जा रहा है। हाल ही में पिछले साल रामदेवरा में भी ब्रीडिंग सेंटर शूरू किया गया है। यहां जंगल में मिले अंडों को विशेषज्ञों की देखरेख में पाला जाता है और उन अंडों से गोडावण का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। इन अंडों से अब तक 32 गोडावण हो चुके हैं, जिनमें 4 इन्हीं गोडावण की मेटिंग से बच्चे निकले हैं। एक चूजा पिछले साल और इस साल तीन चूजे अंडे से बाहर आए हैं। इनमें अब 19 गोडावण सम ब्रीडिंग सेंटर में और 13 रामदेवरा स्थित गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में है।

- **जिले में गोडावण की तादाद बढ़ाने के लिए सम स्थित सुदासरी में ब्रीडिंग सेंटर चलाया जा रहा है**

जैसलमेर के सुदासरी गोडावण प्रजनन सेंटर में नया मेहमान आया।

लंदन से मतदान करने पहुंची बीकानेर की बेटी

बीकानेर, (निसं)। धार्मिक पर्व व त्यौहार की तरह मतदान भी लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र देश भारत के चुनाव हो तो वोट की कीमत और भी बढ़ जाती है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वोट करना देश के हर नागरिक का अधिकार है तथा हर मतदाताओं को पॉलिंग बूथ पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। लंदन में रह रही बीकानेर की बेटी और डेटा प्रोटेक्शन कंसलटेंट भाग्यश्री स्वामी ने न केवल अपने वोट की कीमत पहचानी, बल्कि वोट करने के लिए सात समुद्र पार कर बीकानेर पहुंची। भाग्यश्री ने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोगों को भी सीख दी है। उधर पैरा ओलंपियन पंकज सेवग ने भी अपने बूथ पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दूसरी ओर मतदान को लेकर व्यस्त रहे भाजपा के प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने शहर के भीतरी क्षेत्र में कुछ पल अपने साथी भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ बिताए, बल्कि इस भागदौड़ में बीकानेरी भुजियां का लुत्फ उठाया।

- **पैरा ओलंपियन पंकज सेवग ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया**

भाग्यश्री स्वामी

तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया

बिसाऊ, (निसं)। बिसाऊ में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कस्बे में शांतिपूर्ण मतदान हुआ कस्बे में कुल मतदाता 19277 थे जिनमें से 10949 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया। कस्बे में कुल 16 बूथ थे जहां पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। पुलिस प्रशासन मुस्तेद था। कुल 56.8 प्रतिशत मत पड़े। अधिकतर बूथें पर महिलाओं अपना मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं 3 पीढियों ने एक साथ मतदान किया।

लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान के दौरान कुछ रोचक दृश्य भी देखने को मिले। ऐसा ही रोचक दृश्य बिसाऊ में देखने को मिला, जब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, वार्ड नं 9 में मतदान केंद्र संख्या 71 पर 3 पीढ़ियां एक साथ मतदान के लिए पहुंची। यहां दादा भोलाराम जांगिड़, पुत्र सुशील कुमार जांगिड़ और उनके पुत्र राहुल जांगिड़ ने एक साथ मतदान किया। तीनों ने मतदान केंद्र पर सुचारु व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन एवं मतदानकर्मियों को धन्यवाद दिया।

- **तीनों ने मतदान केंद्र पर व्यवस्थाओं के लिए धन्यवाद दिया**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 20 अप्रेल, 2024

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 2:04 तक, ध्रुव्र योग रात्रि 2:47 तक, बव करण प्रात: 9:23 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:51 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। अमृत सिद्धि योग सांय 5:08 से सूर्योदय तक है। रवियोग सांय 5:08 से आरम्भ होगा। आज विष्णुदमनोत्सव, मदन द्वादशी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:38 से 9:14 तक, चर 12:26 से 7:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:14 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:02, सूर्यास्त 6:50

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह

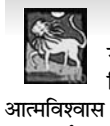

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

पुस्तक से प्राप्त राशि विद्यालय में भेंट की

मसूदा, (निसं)। शिक्षा विभाग में शिक्षक का पद प्राप्त कर विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा देना एक शिक्षक को मिलने वाले वेतन स्वरूप कर्तव्य निभाना कहा जा सकता है,परन्तु यदि कोई भी शिक्षक अपने इस कर्तव्य के साथ-साथ विद्यालय को अपना परिवार अथवा शिक्षा का एक मंदिर मानकर उसमें पदीय कार्य के अलावा स्वयं की व्यक्तिगत कमाई से प्राप्त राशि से और भी कोई सहयोग देता है तो वह अपने आप में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कार्य हो कहा जाएगा।

एक ऐसा ही अत्यन्त महत्वपूर्ण उदहारण मसूदा के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की इतिहास की व्याख्याता अनिता शर्मा द्वारा स्वलिखित पुस्तक की रॉयल्टी राशि से विद्यालय में पँखे भेंट करने का सामने आया है। मसूदा के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधाना- चार्या भानुमति सहाय के अनुसार विद्यालय में कार्यरत इतिहास विषय की व्याख्याता अनिता शर्मा की कभी धूप कभी छाँव नामक स्वलिखित पुस्तक से प्राप्त रॉयल्टी राशि एवं विभिन्न प्रशिक्षण कार्यो से प्राप्त राशि 11300 रुपये के ओरियंट के सात पंखे विद्यालय के कक्षा कक्षों हेतु सप्रेम भेट किए गये।

सतरंगी सप्ताह के तीसरे दिन राष्ट्र हित में मतदाता जागृति रैली निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के अंतर्गत जारी में सतरंगी सप्ताह (डेमोक्रेसी वीक) के तीसरे दिन आज चिकित्सा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागृति रैली का आयोजन किया गया। सतरंगी सप्ताह के तीसरे दिन की थीम समावेशी वॉकथॉन तथा आज का रंग आसमानी था।

चिकित्सा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत यह रैली सुबह 8 बजे महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर सूचना केंद्र, गोल प्याऊ चौराहा होते हुए अंबेडकर सर्किल तक पहुंची। पुनः सुभाष मार्केट से होते हुए महात्मा गांधी चिकित्सालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न राजकीय एवं निजी नर्सिंग विद्यालयों के छात्र- छात्राएं, आंगनबड़ी कार्मिक, आशा सहयोगीनियां ,राजीविका कर्मचारियों, तथा जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारियों सहित लगभग 350 व्यक्तियों ने भाग लिया।रैली में मतदान जागरूकता संबंधी नारे वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है। जागरूक नागरिक की क्या पहचान ,सभी करेंगे मतदान लगाते हुए सभी बड़े उत्साह के साथ सम्मिलित हुए।

इस रैली को जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी सी.पी. गोस्वामी एवं एडीपीसी योगेश चंद्र पारीक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन की स्वीप टीम के श्री तेजकरण बाहेड़िया, सुनीता नानकानी, शिवनारायण ईनाणी ,आयुष सैनी,सुनीता जैन, मंजू छीपा, राजकीय नर्सिंग कॉलेज प्रधानाचार्य मीनू यादव, जनरल नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र प्रधानाचार्य लोकेश शर्मा , एएनएम नर्सिंग प्रशिक्षण प्रधानाचार्य अरुण कुमार जिला स्वीप आईकॉन आरू नामा, साहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सभी व्यक्तियों ने भीलवाड़ा जिले में आगामी 26 अप्रैल 2024 को शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली।

रैली सुबह 8 बजे महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर सूचना केंद्र, गोल प्याऊ चौराहा होते हुए अंबेडकर सर्किल तक पहुंची।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

अजमेर, (कासं)। गौतम नगर स्थित महाबोधि विहार बौद्व मठठ में रविवार सुबह 10 बजे से सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जायेगा इस सभा के माध्यम से जैन धर्म के महावीर स्वामी की जयन्ति के अवसर पर उनके संदेश जीओ और जीने दो विषय पर वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

बौद्व मठठ की सचिव सोनी गुणवन्त राहुल ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया है कि वैचारिक गोष्ठी और सर्वधर्म प्रार्थना सभा की अध्यक्षता गुणवन्त राहुल करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में होंगे जन सेवा समिति के संस्थापक व महासचिव एवं बौद्व मठठ के संरक्षक रमेश लालवानी होंगे। बौद्व मठठ के रवि कुमार और पुष्पेन्द्र कुमार द्वारा भी सर्वधर्म प्रार्थना में अपने अपने विचार व्यक्त किये जायेंगे।महिला मण्डल की मोनिका सिंह, लक्ष्मी, याशिका सिंह, मोध प्रकाश, अभय कुमार कुंपावत, उषा कुंपावत सहित अन्य सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सम्मलित होंगे। रविकुमार और पुष्पेन्द्र कुमार के द्वारा महात्मा बुद्व की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके सर्वधर्म प्रार्थना सम्पन्न करवाई जायेगी और सबका मंगल हो की प्रार्थना की जायेगी। महावीर स्वामी और मासांहार विषय पर भी जानकारी प्रदान की जायेगी।

■ जीओ और जीने दो विषय पर वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा

द्वितीय प्रशिक्षण 22 को

भीलवाड़ा, (निसं.)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत भीलवाडा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सम्मिलित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए, क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर नियुक्त किये जाने वाले माईक्रो पर्यवेक्षकगण एवं वीडियोग्राफर को भारत निर्वाचन आयोग के कानूनों एवं नियमों की जानकारी देने तथा कानूनों एवं नियमों एवं निर्देशों में निपूर्णता लाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक की उपस्थिति में द्वितीय प्रशिक्षण 22 अप्रैल को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सत्रवार प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता ने बताया कि 110 माईक्रो पर्यवेक्षक को 22 अप्रैल को प्रात 10:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा 50 वीडियोग्राफर को प्रशिक्षण दोपहर 2:30 बजे से अपराह्न 4 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक न.प. कि / कृ.भूमि / 2024 /81 — आपत्ति विज्ञप्ति — दिनांक 19/4/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा संख्या 26, 28, 35, 36, व 41 पर स्थित खुशी मार्बल सिटी के आवासीय भूखण्डों का आवेदक द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर उपविभाजन चाहा गया है।

क्र.स.	आवेदक का नाम	भूखण्ड संख्या क्षेत्रफल वर्गगज में	पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	एकता विश्वास एण्ड डवलपर्स जरिये प्रोपराईटर श्री सुनील प्रजापत पुत्र श्री सोहनलाल	भू. ए–61 क्षे. 200 वर्ग दक्षिण पश्चिम दिशा की तरफ भ.स ए–61–ए क्षे. 100 वर्ग	भूखण्ड संख्या ए– 92	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–62	भूखण्ड संख्या ए–60
2.	” ”	भू. ए–61 क्षे. 200 वर्ग उत्तर दिशा की तरफ भ.स ए–61–बी क्षे. 100 वर्ग	भूखण्ड संख्या ए–92	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–62	भूखण्ड संख्या ए–60
3.	” ”	भू. ए–62 क्षे. 200 वर्ग दक्षिण पश्चिम दिशा की तरफ भ.स ए–62–ए क्षे. 100 वर्ग	भूखण्ड संख्या ए–91	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–63	भूखण्ड संख्या ए–61
4.	” ”	भू. ए–62 क्षे. 200 वर्ग उत्तर दिशा की तरफ भ.स ए–62–बी क्षे. 100 वर्ग	भूखण्ड संख्या ए–91	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–63	भूखण्ड संख्या ए–61
5.	” ”	भू.ए–91 क्षे. 200 वर्ग उत्तर पूर्व दिशा की तरफ भ.स ए–91–ए क्षे. 100 वर्ग	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–62	भूखण्ड संख्या ए–90	भूखण्ड संख्या ए–92
6.	” ”	भू.ए–91 क्षे. 200 वर्ग दक्षिण पूर्व दिशा की तरफ भ.स ए–91–बी क्षे. 100 वर्ग	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–62	भूखण्ड संख्या ए–90	भूखण्ड संख्या ए–92
7.	” ”	भू. ए–92 क्षे. 200 वर्ग उत्तर पूर्व दिशा की तरफ भ.स ए–92–ए क्षे. 100 वर्ग	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–61	भूखण्ड संख्या ए–91	भूखण्ड संख्या ए–93
8.	” ”	भू.ए–92 क्षे. 200 वर्ग दक्षिण पूर्व दिशा की तरफ भ.स ए–92–बी क्षे. 100 वर्ग	30 फीट का आम रास्ता	भूखण्ड संख्या ए–61	भूखण्ड संख्या ए–91	भूखण्ड संख्या ए–93

अतः उक्त उपविभाजन प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ

ग्रामीणों में आक्रोश-हरकत में आया विभाग व ठेकेदार

मसूदा ब्यावर मेघा हाईवे सड़क मार्ग पर पुलिया एवं नाला निर्माण शुरू होने से वाहन चालकों को राहत मिलने की आस जगी है।

मसुदा, (निसं)। मसूदा ब्यावर मेघा हाईवे सड़क मार्ग पर पुलिया एवं नाला निर्माण शुरू होने से वाहन चालकों को राहत मिलने की आस जगी है। संबंधित विभाग की अनदेखी के चलते मसूदा ब्यावर मार्ग पर स्टेट हाईवे निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चलने से जगह-जगह धूल एवं मिट्टी के उड़ने से वाहन चालकों के साथ आसपास के गांव के नागरिकों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसको लेकर राष्ट्रदूत समाचार पत्र प्रशासन के बाद विभाग एवं संबंधित ठेकेदार हरकत में आया एवं मसूदा से ब्यावर सड़क मार्ग पर पुलिया बना ले के निर्माण कार्य शुरू करवाया। गौरतलब एक ही सड़क निर्माण को लेकर मसूदा से भीलों के बाड़िये तक सड़क का डामरीकरण किया गया। लेकिन बीच में कुछ स्थानों पर पुलिया व नाला निर्माण के साथ सीमेंट सड़क निर्माण को लेकर दामिनीकरण का कार्य नहीं करवाया जिससे वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पुलिया नाला के निर्माण कार्य को लेकर मौके पर सीमेंट के पाइप एवं मिट्टी के ढेर लगाकर कार्य बंद कर देने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई थी।

ग्रामीणों ने बताया की पुलिया बनाने के निर्माण को लेकर सड़क के पास से वाहनों के निकलने के लिए वैकल्पिक सड़क बनाई गई ।लेकिन इस विकल्प सड़क के आसपास खेत होने से शाम ढलते इस सड़क पर कांटे डालकर बंद कर दिया जाता है।

महावीर जयंती शोभायात्रा का अभिनन्दन करेंगे

अजमेर, (कासं)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियो के द्वारा आगामी रविवार को महावीर जयन्ति के अवसर पर 21 अप्रेल को आयोजित की जाने वाली शोभायात्रा के मार्ग पर प्रत्येक बाजार में भव्य रूप से अभिनन्दन किया जायेगा। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र बंसल, महासचिव रमेश लालवानी, सुनील दत्त जैन, उपाध्यक्ष टीकमदास अगनानी, हरीश अगनानी, हरीश वतवानी, मितेश निचानी, नकुल खण्डेलवाल,अशोक मुदगल,जोधा टेकचन्दानी,सहित अन्य द्वारा समस्त बाजारो के द्वारा बाजारो की सजावट की जायेगी और जगह जगह प्रसाद वितरण और शोभा यात्रा का अभिनन्दन किया जायेगा। महासंघ के महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि महासंघ के सर्वधर्म पदाधिकारियो के द्वारा शोभायात्रा का विभिन्न स्थानो पर अभिनन्दन किया जायेगा।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जहाजपुर (शाहपुरा)

EMail Id- mbjahazpur@gmail.com Phone No 01485–294101

कमांक / नपाज / भूमि / 2024–25 / 161–163 — आपत्ति आमंत्रण सूचना — दिनांक 18/4/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा अपने पुस्तेनी आवास, अनुमोदित योजना के क्रयशुदा भूखण्ड की नामन्तरण/निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु सम्बन्धित व्यक्ति/संस्था द्वारा नगर पालिका जहाजपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है, उक्त बाबत् किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में मय सबूत के लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति मान्य नही होगी तथा एकतरफा कार्यवाही कर दी जायेगी ।

क्र.स.	आवेदक का नाम व पता	भूखण्ड संख्या/स्थान	क्षैत्रफल	पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	प्रयोजन
1	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर ।	प्लॉट संख्या 16, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	127.92 वर्गगज	कृषि भूमि	रास्ता	कृषि भूमि	प्लाट नं. 017	नामान्तरण
2.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 14, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	150.64 वर्गगज	प्लाट नं. 015	प्लाट नं. 013	कृषि भूमि	रास्ता	नामान्तरण
3.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 13, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	130.72 वर्गगज	प्लाट नं. 014	कृषि भूमि	कृषि भूमि	रास्ता	नामान्तरण
4.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 17, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	166 वर्गगज	कृषि भूमि	रास्ता	प्लाट नं. 016	प्लाट नं. 018	नामान्तरण
5.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 10, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	133.33 वर्गगज	रास्ता	खाली प्लाट नं. 11	रोड	रास्ता	नामान्तरण
6.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर ।	प्लॉट संख्या 01, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	147.55 वर्गगज	प्लाट नं. 02	खाली जमीन	आम रास्ता	अन्य जमीन	नामान्तरण
7.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर ।	प्लॉट संख्या 07, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	120.29 वर्गगज	लोकेश नागौरी	कृषि भूमि अन्य	रास्ता	प्लाट नं. 06	नामान्तरण
8.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 11, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	133.33 वर्गगज	प्लाट नं. 10	प्लाट नं. 12	रास्ता	रास्ता	नामान्तरण
9.	श्री हेमराज टांक पिता प्रेमराज टांक निवासी सदर बाजार जहाजपुर।	प्लॉट संख्या 09, ग्राम जहाजपुर स्थित आराजी संख्या 4709 में से आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड	133.33 वर्गगज	रास्ता	प्लाट नं. 08	रास्ता	प्लाट नं 4	नामान्तरण

सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जहाजपुर

आम सूचना

मेरे दादा श्री मिलापचंद पुत्र आनन्द मल जाति जैन का स्वर्गवास दिनांक 7 नवम्बर 1971 को व मेरी दादी श्रीमती गुलाब बाई पत्नी मिलाप चंद जाति जैन का स्वर्गवास दिनांक 16 जनवरी 1977 को उनके पैतृक निवास स्थान पारको की हवेली पुरानी कोतवाली के पास, पुराना शहर, किशनगढ़ जिला अजमेर पर हो चूका है। जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ मे आवेदन किया है। अतः जिस किसी को भी मेरे दादा दादी के मृत्यु प्रमाण पत्र बाबत कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

भवदीय-सुनील कुमार जैन पुत्र शेखरचंद जैन

आम सूचना

मेरे बड़े दादा श्री उदयचंद पुत्र आनन्दमल जाति जैन का स्वर्गवास अविवाहित अवस्था में दिनांक 12 फरवरी 1973 को व मेरे दुसरे बड़े दादा इन्दरचंद पुत्र आनन्दमल जाति जैन का स्वर्गवास अविवाहित अवस्था में दिनांक 24 जून 1972 को उनके पैतृक निवास स्थान पारको की हवेली पुरानी कोतवाली के पास, पुराना शहर, किशनगढ़ जिला अजमेर पर हो चूका है। जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ मे आवेदन किया है। अतः जिस किसी को भी मेरे उपरोक्त दोनों बड़े दादा के मृत्यु प्रमाण पत्र बाबत कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

भवदीय-सुनील कुमार जैन पुत्र शेखर चंद जैन

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मेरे पक्षकार हाजी हसन उस्मान पुत्र अब्दुल रहीम आयु 64 वर्ष जाति मुसलमान निवासी 4444, रावण का मैदान, नसीराबाद के निश्चित निर्देशानुसार व प्रारूपानुसार यह आम सूचना प्रकाशित करवा रहा हूँ कि मेरे पक्षकार के पुत्र जिशान पुत्र हाजी हसन उस्मान आयु 28 वर्ष व उसकी पत्नि तरन्नूम आयु 26 वर्ष जाति मुसलमान निवासी 4444, रावण का मैदान, नसीराबाद जो मेरे पक्षकार के कहने में नही है तथा मेरे पक्षकार व उसकी पत्नि अर्थात जिशान की माता व अन्य दो पुत्रो जिनके नाम क्रमशः रेहान हसन व फैजान हसन व अन्य परिवारजन के साथ आये दिन लड़ाई झगडा व गाली गलौच करते है तथा मेरे पक्षकार व उसकी पत्नि यास्मिन जो काफी वृद्ध हैं का भरण पोषण नही करते है ऐसी स्थिति में मेरा पक्षकार की स्वर्जित व पैतृक चल व अचल संपति है से मेरा पक्षकार अपने पुत्र जिशान हसन व उसकी पत्नि तरन्नूम दोनों को आज दिनांक से समस्त चल व अचल संपति से बेदखल करता है। मेरे पक्षकार की समस्त स्वर्जित व पैतृक चल व अचल संपति में उसके पुत्र जिशान हसन व उसकी पत्नि अर्थात पुत्रवधू तरन्नूम पत्नि जिशान हसन का आज से कोई लेना देना व हक, हिस्सा व अधिकार ना ही मालिकाना हक है।

भवदीय

रविन्द्र कुमार एडवोकेट मो. 9829209433, 9274012426

निर्वाचन अधिकारी ने किया मतदान

नागौर, (निसं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार पुरोहित ने पत्नी शैलजा पुरोहित के साथ सेठ श्रीकिशन लाल कांकरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। पुरोहित ने कहा कि नागौर लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मंगलाचार कार्यक्रम आयोजित

अजमेर, (कासं)। श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग द्वारा घर घर मंगलाचार कार्यक्रम के अन्तर्गत तनुज राकेश जैन, नम्रता अनुज लुहाडिया परिवार के निवास स्थान पर जैन भजन गायक संजय पहाड़िया ने भगवान महावीर के गर्भ व जनकल्याणक पर धार्मिक भजन गाए। युवा संभाग अध्यक्ष सोनिका भैसा ने बताया कि जैन धर्म के चोबीसवे तीर्थकर भगवान महावीर के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके मोजूद समिति सदस्याओं के साथ जैन धर्मावलंबियों ने नमोकार महामंत्र का जाप किया,मंगलाचरण के पश्चात भजनों की प्रस्तुति में 'जन्म कल्याणक है आया छाई खुशिया बडी'भजन पर नम्रता व कंताशी लुहाडिया ने भक्ति नृत्य किया। महिला प्रकोष्ठ मंत्री अनिता बडजात्या ने बताया कि इस अवसर पर युवा संभाग संस्थापक अर्चना गंगवाल सहित कई व्यक्ति मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक से दिया मतदान जागरूकता का संदेश

अजमेर, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी भारती दीक्षित एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजमेर शहर गजेंद्र सिंह राठौड के निर्देशन में पंचशील में लायंस क्लब की सहभागिता से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर अजमेर उत्तर स्वीप प्रभारी मीना शर्मा, जिला यूथ आइकॉन रवि बंजारा, लायंस क्लब के राजेंद्र गांधी, आभा गांधी ने सभी उपस्थित जनों को लोकतंत्र के पर्व पर मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर सेंट स्टीफन स्कूल के छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक कर मतदान करने के लिए जागरूक किया। प्राचार्य भारती तोलंबिया ने मतदान संदेश पढ़कर सुनाया। श्री महावीर पब्लिक स्कूल के बच्चो ने भी मतदान करने के संदेश लिखी तख्तियां लेकर नारे लगा रहे थे। सीमा शर्मा ने सभी से देश के नाम लोकतंत्र का पर्व, मतदान करेंगे, जरूर करेंगे नारे लगवाएं। इसके अलावा समस्त अजमेर शहर वासियों से यह अपील की है कि सभी लोग 26 अप्रैल को अपना वोट डालने के लिए अवश्य जाएं। सीएमएचओ ऑफिस से महेश बिहारी माथुर ने भी संबोधित किया। स्वीप प्रभारी मीना शर्मा द्वारा सभी मतदाताओं को यह विनम्र आग्रह किया गया कि अगर आपके पास वोटर आईडी कहीं मिस हो गया है तो आप भारत निर्वाचन आयोग से जारी 12 दस्तावेजों में से एक के माध्यम से अपना वोट कास्ट कर सकते हैं । सभी ने यह आश्वासन दिया कि वह 26 अप्रैल को स्वयं तो मतदान करेंगे ही और समस्त मतदाता जो उनके संपर्क में है उनसे वोट डलवाने का कार्य करेगी । अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की स्वीप टीम के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को आयोजित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही जिसमें राकेश दिवेदी , सुरेश कुमार, शिवराज , रामलाल, ओमप्रकाश, भावना शर्मा, शिल्पा, अंजू, सुमन, शिवराज , दीपक , भानु प्रताप एवं समस्त महिला मतदाताओं की एवं समस्त स्वीप टीम की भागीदारी रही । स्वयं सेवी संस्था के लायन राजेंद्र गांधी द्वारा पूरे आयोजन कर्ताओ को बधाई दी गई।

■ पंचशील में लायंस क्लब की सहभागिता से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक –न.प.बि/नामा/2023/4255 आम सूचना दिनांक : 13.12.2023

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण					
फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
344	शिवराज अरोडा पुत्र घीसा लाल अरोडा	लीला देवी पत्नी शिवराज अरोडा	प्रज्ञाननगर बरल द्वितीय ख.सं 790 व 792 भू.सं. 83	138.88 SQ.YARD	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांकः न.नि.अ/भू.उ.प./23-24 /04 आपत्ति सूचना दिनांकः 8/4/2024

1. श्री हरीश भागवानी पुत्र स्व. श्री तीर्थदास 2. राकेश भागवानी पुत्र श्री हरीश भागवानी 3. श्रीमती जैश्री भागवानी पत्नी श्री राकेश भागवानी निवासीगण हाउस नं. 7 संत आशा राम कॉलोनी रेलवे हास्पीटल के सामने ब्यावर रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पति ए. एम. सी नं. 10/16 का भाग है, जो वाके वैशाली नगर अजमेर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 173.05 वर्गगज है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - जायदाद ए. एम. सी नं. 10/17 पश्चिम -रास्ता आम

उत्तर -आम रास्ता दक्षिण - जायदाद ए. एम.सी. नं. 10/15

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

हनुमान जंयती 22 को

अजमेर, (कासं)। हनुमान जयंती कार्य सिद्धि बालाजी मंदिर रामगंज अजमेर में सोमवार को मंडल महंत शशि गिरी महाराज के सानिध्य में धूमधाम के साथ मनाई जायेगी।

यह जानकारी देते हुए मंहत सचिव सागर मीणा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव एक हिन्दू पर्व है। यह चौत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन हनुमानजी का जन्म हुआ था। हनुमान जी को कलयुग में सबसे प्रभावशाली देवताओं में से एक माना जाता है। हनुमान जयंति महोत्सव हर वर्ष बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाती है इसी क्रम में इस वर्ष दो दिवसीय कार्यक्रम 22 अप्रैल सोमवार को भी कार्य सिद्धि बालाजी मंदिर रामगंज में धूमधाम के साथ आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर मंदिर को फुलो, गुब्बारे, धर्म ध्वजा व रंग बिरंगी रोषनी के साथ भव्य रूप से सजाया जायेगा। महोत्सव को लेकर समस्त मंडल पदाधिकारियों व लोगो में हर्ष का माहौल व्याप्त है। सभी अपने अपने स्तर पर हनुमान जयंति महोत्सव को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर रहे है। कार्यक्रम में सोमवार रात्रि में सामूहिक संकेतन संघ कीर्तन व बालाजी का भव्य श्रृंगार मध्य रात्रि में किया जायेगा तथा 23 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे छप्पन भोग का प्रसाद लगाया जायेगा तथा सुंदरकांड पाठ का आयोजन दोपहर 12:15 बजे हनुमान जन्मोत्सव हनुमान जन्मोत्सव आरती के साथ सम्पन्न होगा तत्पश्चात् आम भंडारा भक्तजनों के लिए सांय 7:30 से किया जायेगा।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जहाजपुर (शाहपुरा)

EMail Id- mbjahazpur@gmail.com Phone No 01485–294101

कमांक / नपाज / भूमि / 2024–25 / 175 दिनांक 19/4/2024

— आपत्ति आमंत्रण सूचना —

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा अपने पुस्तेनी आवास, अनुमोदित योजना के क्रयशुदा भूखण्ड की नामन्तरण/निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु सम्बन्धित व्यक्ति/संस्था द्वारा नगर पालिका जहाजपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है, उक्त बाबत् किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में मय सबूत के लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति मान्य नही होगी तथा एकतरफा कार्यवाही कर दी जायेगी ।

क्र.स.	आवेदक का नाम व पता	भूखण्ड संख्या/स्थान	क्षै. वर्गमीटर	पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	प्रयोजन
1	श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री माधुलाल जाति महाजन, नि. चमन चौराहा जहाजपुर ।	वार्ड नं. 16 आवासीय भूखण्ड, चमन चौराहा जहाजपुर ।	116.97	प्रकाश जैन की दुकान	आबकारी बिल्डिग	रास्ता	कजोड पिनारा	निर्माण स्वीकृति
2.	श्री दुर्गेश कुमार रेगर पुत्र श्री सुखलाल रेगर, नि. एम.एम कोर्ट के पीछे जहाजपुर ।	वार्ड नं.21 आवासीय एम.एम कोर्ट के पीछे चावडिया, जहाजपुर ।	83.27	सीमा देवी	ललिता देवी	आम रास्ता	पडत भूमि	निर्माण स्वीकृति
3.	श्री राकेश कुमार पत्रिया पुत्र श्री सन्त कुमार पत्रिया, नि. संतोष नगर जहाजपुर	व्यवसायिक दुकान, प्लॉट नं. 06 देवली जहाजपुर राजमार्ग जहाजपुर ।	136.61	सत्यनारायण टाक	प्लॉट नं. 6 का भाग	अन्य कृषि भूमि	आम रास्ता	निर्माण स्वीकृति
4.	श्री महावीर प्रसाद खटीक पुत्र श्री मोहन लाल खटीक, नि. तस्वारिया, जहाजपुर	प्लॉट नं.18, आवासीय, शाहपुरा चुंगी नाके से एक किलोमीटर आगे जहाजपुर ।	72.46	भूखण्ड सं. 17 का शेष भाग	भूखण्ड सं. 18 का शेष भाग	भू.सं. 13 व 14	आम रास्ता	निर्माण स्वीकृति
5.	रूकमणी देवी पत्नि श्री सत्यवान सोनी, नि. जहाजपुर ।	वाणिज्यक दुकान, सदर बाजार जहाजपुर ।	33.87	चारभुजा नाथ मन्दिर की दुकाने	स्वर्गिय बिरदी चन्द की जायदाद	अनिल बम्ब की जायदाद	आम रास्ता	निर्माण स्वीकृति
6.	श्री केनपाल सिंह मीणा पुत्र श्री हरीराम मीणा, नि. नाथादण्ड, जहाजपुर ।	भू. सं. 34 आवासीय, एम. एम. कोर्ट से आगे जहाजपुर ।	113.80	भूखण्ड सं. 33	भू.सं. 35	भू. 31,32	आम रास्ता	निर्माण स्वीकृति
7.	श्रीमती बीना पत्नि श्री धनराज मीणा, नि. नाथादण्ड, जहाजपुर ।	भू. सं. 24, आवासीय, एम. एम. कोर्ट से आगे, जहाजपुर ।	116.17	प्लॉट सं0 40	आम रास्ता	प्लॉट सं. 23	आम रास्ता	निर्माण स्वीकृति
8.	श्री महावीर प्रसाद खटीक पुत्र श्री मोहन लाल खटीक, नि. तस्वारिया, जहाजपुर ।	प्लॉट नं.17 व 18 मेसे आवासीय भूं. शाहपुरा चुंगी नाके से एक किलोमीटर आगे जहाजपुर ।	108.73	भूखण्ड सं. 17 का शेष भाग	भूखण्ड सं. 18 का शेष भाग	भू.सं. 13 व 17	आम रास्ता	नामान्तरण
9.	श्री मनोज कुमार जैन पुत्र श्री भंवरलाल जैन, नि. जहाजपुर ।	भूखण्ड संख्या 21, आवासीय, शाहपुरा रोड़, जहाजपुर	104.51	भूखण्ड सं. 20	भूखण्ड सं. 22	भूखण्ड स. 18	रोड 30 फीट	नामान्तरण
10.	श्रीमती शीला देवी पत्नि श्री कैलाश चन्द्र मीणा, नि. नाथदण्ड, जहाजपुर ।	प्लॉट संख्या 31,आवासीय डूमाला चक स्किम, जहाजपुर ।	223.04	पडत सरकारी भूमि	रास्ता	प्लाट नं. 24	प्लाट नं. 26	नामान्तरण
11.	श्री खुशराज सिह पुत्र श्री मनोहर लाल मीणा नि. पांचा का बाडा, जहाजपुर ।	भूखण्ड संख्या 15 व 16 मे से आवासीय भूं., एम.एम. कोर्ट से आगे जहाजपुर ।	104.51	भू.सं. 26	भूखण्ड संख्या 15 व 16 का शेष भाग	रास्ता	भू. 17	नामान्तरण
12.	श्री आशिष कुमार शर्मा पुत्र श्री घीसू लाल शर्मा, शक्करगढ़, जहाजपुर ।	भूखण्ड संख्या 11, जहाजपुर देवली मार्ग पर स्थित	105 वर्गगज	प्लाट नं. 10	प्लाट नं. 12	अन्य कृषि भूमि	आम रास्ता	वारिसान नामान्तरण
13	मन्जूर अहमद, हुसैन अहमद, निसार अहमद पुत्रगण शब्बीर मोहम्मद, नि. जहाजपुर ।	आवासीय मकान वार्ड नं. 10 जहाजपुर ।	216 वर्गगज	आम रास्ता	रास्ता	सोहन लाल मुन्दडा	मोहम्मद खां तंवर	वारिसान नामान्तरण
14.	श्री राकेश कुमार पत्रिया पुत्र श्री सन्त कुमार पत्रिया, नि. संतोष नगर जहाजपुर।	व्यवसायिक दुकान, प्लॉट नं. 06 देवली जहाजपुर राजमार्ग जहाजपुर ।	163.33 वर्गगज	सत्यनारायण टाक	प्लॉट नं. 6 का भाग	अन्य कृषि भूमि	आम रास्ता	वारिसान नामान्तरण
15.	श्रीमती शशि कला मीणा पत्नि श्री अशोक कुमार मीणा, नि. छीजलों का खेडा, जहाजपुर ।	बोराणी नगर पालिका क्षेत्र, जहाजपुर ।	351.11 वर्गगज	विनोद कुमार मीणा	मिश्रीलाल मीणा	आम रास्ता	दुर्गालाल मीणा	नामान्तरण
16.	श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री माधुलाल जाति महाजन, नि. चमन चौराहा जहाजपुर ।	आवासीय भूखण्ड,चमन चौराहा जहाजपुर में स्थित ।	65.28 वर्गगज	प्रकाश जैन की दुकान	आबकारी बिल्डिग	रास्ता	कजोड पिनारा	वारिसान नामान्तरण
17.	रूकमणी देवी पत्नि श्री सत्यवान सोनी, नि. जहाजपुर ।	वाणिज्यक दुकान, सदर बाजार जहाजपुर ।	74.17 वर्गगज	चारभुजा नाथ मन्दिर की दुकाने,	स्वर्गिय बिरदी चन्द की जायदाद	अनिल बम्ब की जायदाद	आम रास्ता	नामान्तरण

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जहाजपुर

झुंझुनूं में सात गांवों के 10 बूथों पर मतदान का पूर्ण बहिष्कार

ग्रामीणों ने यमुना के पानी की मांग को लेकर यह कदम उठाया

मतदान केन्द्र पर मतदान अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह से बैठे ही रहे, उन्होंने केवल अपना ही वोट डाला।

- हमीनपुर, बनगोठड़ी कलां और ढक्करवाला गांव में तो एक भी वोट नहीं पड़ा। यहां मतदानकर्मियों ने ही वोट डालकर खाता खोला।
- मतदान बहिष्कार पर प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने गए, पर ग्रामीण नहीं माने, उसी दौरान पिलानी के विधायक पितराम काला पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हें जमकर खरीखोटी सुनाई।
- ग्रामीणों ने कहा या तो यमुना जल चाहिए या फिर बारिश का पानी एकत्रित करने के लिए कुण्ड की स्वीकृति।

झुंझुनूं /पिलानी, 19 अप्रेल (निसं)। यमुना पानी की मांग को लेकर क्षेत्र के सात गांवों के 10 बूथों का ग्रामीणों ने बहिष्कार किया, जिसका हमीनपुर, बनगोठड़ी कलां और ढक्करवाला के पांच बूथों पर पूरा असर और गाडोली, केहरपुरा और धींधवा बिचला के एक-एक बूथ पर लगभग पूरा और गाडोली के एक बूथ पर आंशिक असर देखने को मिला।

दिनभर मतदानकर्मी मतदाताओं का इंतजार करते रहे। लेकिन मतदाता नहीं आए। जिन पांच बूथों पर एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला, उनमें मतदानकर्मियों ने ही मतदान करके खाता खोला। जिन पांच बूथों पर ज़ीरो मतदान रहा, उनमें ढक्करवाला का एक बूथ, हमीनपुर के दो बूथ और बनगोठड़ी कलां के दो बूथ शामिल हैं। ढक्करवाला में तीन मतदानकर्मी और एक बीएलओ ने वोट डाला, लेकिन स्थानीय मतदाताओं की संख्या ज़ीरो रही। इसी तरह हमीनपुर के दोनों बूथों पर चार-चार वोट पड़े। ये चारों के चारों वोट मतदानकर्मियों के थे। यहां पर भी स्थानीय मतदाताओं की संख्या ज़ीरो रही। इसी तरह बनगोठड़ी कलां के एक बूथ पर तीन और एक बूथ पर चार वोट पड़े। ये वोट भी मतदानकर्मियों के थे। इन तीन गांवों के पांच बूथों पर एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला।

गाडोली गांव में दो बूथ थे। इनमें से एक बूथ पर छह वोट पड़े, जिमें चार मतदानकर्मी, एक सैक्टर आफिसर का वोट शामिल है। जबकि, एक भी वोटर वोट डालने पहुंचा। गाडोली के दूसरे बूथ में भी गांव के लोगों ने तो वोट नहीं डाले, परंतु पास के पुरोहितों का बास के वोट भी इसी बूथ पर थे। वहां 62 वोटरों ने और तीन मतदानकर्मियों ने वोट डाले। कुल मतदान यहां पर 65 रहा। बिशनपुरा गांव में तीन मतदानकर्मियों और एक वोटर ने, धींधवा बिचला में चार मतदानकर्मियों और दो वोटरों ने, केहरपुरा में दो मतदानकर्मियों और पांच वोटरों ने वोट डाला।

प्रशासनिक अधिकारी हमीनपुर समेत सात गांवों के 10 बूथों पर चल रहे मतदान बहिष्कार पर समझाइश करने हमीनपुर गांव गए। चुनावों के लिए पिलानी व सूरजगढ विधानसभा के प्रभारी, सीनियर आर.ए.एस. अम्बालाल मीणा, सूरजगढ एस.डी.एम. दयानंद रूयल और पिलानी बी.डी.ओ. सुनिल ढाका सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। जब अधिकारी समझाइश कर रहे थे, उसी वक्त पिलानी विधायक पितराम काला वहां पहुंच गए। जिसके बाद अधिकारी तो चले गए, लेकिन पिलानी विधायक पितराम काला ने समझाइश की कोशिश की। लेकिन, ग्रामीणों ने पिलानी विधायक को खरी खोटी सुनाई और कहा कि, अब तक आप कहां थे। ग्रामीणों ने बताया कि आज पांच-छह बार अधिकारी आ चुके हैं, लेकिन, हमें तो यमुना जल चाहिए, या फिर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए कुंड की स्वीकृति चाहिए। जब तक मांग नहीं मानी जाएगी, वोट नहीं डाले जाएंगे। ग्रामीणों ने बताया कि, गांव के वो लोग, जो बाहर रहते हैं। उन्होंने भी गांव के आंदोलन के समर्थन में अपनी जगहों पर मतदान का बहिष्कार किया है।

जिन सात गांवों के 10 बूथों पर मतदान का बहिष्कार किया गया। उन पर 9070 महिला व पुरुष मतदाता पंजीकृत हैं। इतने बड़े स्तर पर मतदान का बहिष्कार संभवतया ना केवल झुंझुनूं में, बल्कि राजस्थान में पहली बार हो रहा है। एक-दो बूथों पर तो बहिष्कार की खबरें कभी कभार सामने आ जाती हैं, लेकिन इन 10 बूथों पर पोलिंग पार्टी सुबह से शाम तक मतदाताओं का इंतजार करती रही। ग्रामीणों ने बताया कि वे 17 जनवरी से आंदोलन कर रहे है। धरना दिया, प्रदर्शन किया, कलेक्टर से मिले और सीएम से भी मिले। लेकिन कोरे आश्वासन मिले हैं। इसलिए ग्रामीणों ने मतदान के बहिष्कार का फैसला लिया है।

सादुलपुर में ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा

शाम पांच बजे तक नहीं लगी मतदाताओं की कतार

नव मतदाताओं को मतदाता प्रमाण पत्र जारी किए।

सादुलपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया था, लेकिन दिनभर मतदान केंद्रों पर सन्नाटा सा पसरा रहा तथा किसी भी मतदान केंद्र पर मतदाताओं की कतार देखने को नहीं मिली। शहर में व्यापारियों और दुकानदारों ने मतदान करने के बाद अपने प्रतिष्ठान खोले।

प्रात: सात बजे ही लोग घरों से निकल कर मतदान के लिए बूथों पर पहुंचने शुरू हो गए थे। विशेष तौर से युवाओं में जोश देखा गया तथा युवा अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में मतदाताओं को ला रहे थे। हालांकि बड़े बुजुर्गों के घर बैठे वोट डालने के कारण इस बार मतदान केंद्रों पर बड़े बुजुर्गों को कम देखा गया। थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझडिया शहरी क्षेत्र में पुलिस दल के साथ मतदान केंद्रों पर निगरानी रखे हुए थे। वहीं निष्पक्ष और बिना किसी प्रलोभन के चुनाव संपन्न करवाने के लिए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। शाम चार बजे बाद कार्यकर्ता सक्रिय हुए तथा मतदाताओं को घरों से निकलकर मतदान करवाया। इसके बाद मत प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई। भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झाझडिया ने घर में पूजा अर्चना कर अपनी मां जीवणी देवी से आशीर्वाद लिया तथा बाद में गांव जयपुरिया खालसा में स्थित बूथ नंबर 255 पर अपनी पत्नी मंजू, अपनी मां जीवणी देवी के साथ स्वयं ने मतदान किया। कांग्रेस प्रत्याशी राहुल कस्वा ने अपनी मां एवं पूर्व विधायक कमला कस्वां के साथ पैतृक गांव कालरी पहुंचे तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थित बूथ नंबर 151,152 में मतदान किया। प्रात: सात बजे मतदान प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही गांव हरपालु नींमा, जसवंतपुरा, चाँदगोठी हमीरवास, लम्बोर, बैरासर जैतपुरा, ढाणी मौजी, रेबारी बास, दँदेऊ मोहन सिंह, बांगडवा, बेवड, कामाण, भोजाण, गागगडवास, सुरतपुरा, न्यांगल बड़ी, न्यांगल छोटी, हांसियावास, भगेला, ढिगारला, धागडा, सिद्धमुख, चैनपुरा छोटा, चैनपुरा बड़ा व किशनपुरा आदि गांव में किये गये दौरे के दौरान दोपहर तक मतदान हल्का रहा।

सादुलपुर के बूथ 84 पर पहली बार मतदान के लिए पहुंची चचेरी बहनें रिया व खुशी कंदोई ने मतदान कर खुशी जाहिर की तथा बताया कि राष्ट्र हित में मतदान किया है। इसके अलावा रवीना मीणा ने भाग संख्या 166 मतदान केंद्र-राउप्रावि लम्बोर छिंपियांन, सिमरन मीणा भाग संख्या 166 मतदान केंद्र-राउप्रावि लम्बोर छिंपियांन ने पहली बार मतदान कर खुशी जाहिर की। वार्ड 36 में आरती कंवर ने पहली बार मतदान किया। वहीं वार्ड नंबर 37 में रामावतार जांगिड, सुमेर सिंह व मनोज शर्मा आदि अनेक युवाओं ने मतदान किया।

सिद्धमुख में मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं दिखी :- लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर शुक्रवार को सिद्धमुख कस्बे के मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। वहीं सुबह 7 बजे से ही बूथों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। सवेरे से ही मतदाताओं में वोटिंग को लेकर उत्साह नजर आया। जहां पुरुषों से महिलाओं की संख्या ज्यादा नजर आई। सवेरे से कतारें लंबी होने के कारण मतदाता अपनी-अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

खास तौर पर नए वोटर में जोरदार उत्साह देखा गया। पहली बार मत डालने वाले मतदाताओं को बीएलओ द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया और धूप बढी तो मतदान में जरूर थोड़ी सी कमी आई। लेकिन मतदान शांतिपूर्ण तरीके संपन्न हुए। पुलिस जाब्ता भी चप्पे चप्पे पर तैनात रहा। सिद्धमुख के 6 बूथों पर कुल वोट 7046 में से 4995 वोटो की पोलिंग हुई जो 70.89 पोलिंग प्रतिशत रहा। वहीं मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं होने के कारण बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को उनके परिजन स्वयं मतदान करने के लिए लाते हुए दिखाई दिये।

करौली-धौलपुर में गर्मी से मतदान की गति धीमी रही

कई मतदान केंद्र तो खाली नजर आए

करौली, (निसं)। करौली-धौलपुर लोकसभा संसदीय सीट के लिए शुक्रवार को शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस, भाजपा, बसपा और निर्दलीय प्रत्याशियों ने मतदान किया। वहीं नवविवाहित दूल्हा-दुल्हनों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को शाम पांच बजे तक 53 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान भीषण गर्मी के कारण मतदान की गति दिनभर धीमी रही और कई मतदान केंद्र तो खाली नजर आए जिन पर सन्नाटा पसरा देखा गया। सर्वाधिक मतदान धौलपुर विधानसभा में 48.97 प्रतिशत और सबसे कम सपोटरा में 36.16 प्रतिशत हुआ। लोकसभा क्षेत्र में 1973710 वोट थे जिन्होंने प्रत्याशियों की भाग्य का फैसला कर दिया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर शाम 5 बजे तक 42.53 प्रतिशत मतदान हुआ। सर्वाधिक मतदान धौलपुर विधानसभा में 48.97 प्रतिशत और सबसे कम सपोटरा में 36.16 प्रतिशत हुआ।

- मंडरायल इलाके के जखोदा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया, समझाइश के बाद मतदान सुचारू हुआ

चुनाव कार्य में लापरवाही बतरने पर सपोटरा बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ को सहायक निर्वाचन अधिकारी एआरओ ने निलंबित कर दिया।

सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में भाग संख्या 84 गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल सिंधुपुरा बीएलओ बाबूलाल मीणा के प्रात: 8 बजे तक भी पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंचने के कारण निलंबित किया गया है। वहीं लोकसभा चुनाव के दौरान नव विवाहित जोड़े भी मतदान करने पहुंचे। करौली के बग्गी खाना बूथ पर नव विवाहिता ने वोट डाला। फेरे लेने के बाद विदाई से पूर्व दुल्हन रवीना पुत्री बने सिंह जाटव ने मतदान केंद्र पर वोट डालकर शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। वहीं करौली के लैदौरकला में मतदान केन्द्र संख्या 206 पर विदाई से पहले मतदान के लिए नवविवाहित बहनें मतदान केंद्र पहुंची। लैदोर कला के सुरेश जाटव की दो बेटियों रचना और अर्चना जाटव की 18 अप्रैल को शादी हुई। अपनी विदाई से पहले दोनों बहनों ने उत्साह के साथ मतदान किया।

मंडरायल इलाके के जखोदा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। एसडीएम और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही भाजपा प्रत्याशी इंदूदेवी ने भी समझाइश की। ग्रामीण भाजपा प्रत्याशी को बुलाने की मांग कर रहे थे। बूथ पर 1400 के करीब मतदाता हैं। समझाइश के बाद मतदान सुचारू हुआ। वही चुनाव मे अपना भाग्य आजमा रहे प्रत्याशी भी मतदान के लिए पहुंची भाजपा प्रत्याशी इंदूदेवी ने परिवार के साथ पैतृक गांव करसाई के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की।

अमित शाह का उदयपुर में रोड शो, दस हजार से अधिक की भीड़ जुटी

गृहमंत्री अमित शाह ने मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो किया

उदयपुर, (निसं)। आगामी 26 अप्रेल को उदयपुर लोकसभा सीट पर होने वाले चुनावों को लेकर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उदयपुर में रोड शो किया। यह रोड शो अपने तय समय 6.30 के बजाय डेढ घंटा देरी से शुरू हुआ। अमित शाह 8 बजकर 8 मिनट पर रोड शो स्थल देहलीगेट पहुंचे जहां से 8 बजकर 13 मिनट पर रथ पर सवार हुए और 31 मिनट में 1.3 किमी का अपना रोड शो पूरा कर अस्थल मंदिर पर सभा को संबोधित किया। अमित शाह के इस रोड़ शो में 10 हजार से अधिक की भीड़ जुटी।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार शाम उदयपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत के समर्थन में रोड शो किया। यह रोड शो देहलीगेट से शुरू होकर बापू बाजार होते हुए 1.3 किलोमीटर का सफर तय कर सूरजपोल स्थित अस्थल मंदिर के समीप पहुंचा जहां अमित शाह की सभा हुई। रोड शो 8 बजकर 13 मिनट पर शुरू हुआ। रोड शो में अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजन शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूरे रास्ते माइक खुद हाथ में लेकर कमान संभाले रहे और युवाओं में जोश भरते रहे। तय समय से डेढ घंटा देरी से शुरू होने के बाद भी अमित शाह का लोग इंतजार करते रहे और रोड शो में पूरे रास्ते उन पर फूल बरसाते रहे। वहीं शाह ने रथ से ही भाजपा का चिन्ह दिखाया और लोगों पर फूलों की बरसात करते रहे। रोड शो में शामिल युवा 'मोदी-मोदी' के नारे लगाते रहे। रथ के पीछे रस्सी लगाकर पुलिसकर्मी चल रहे थे और इसके पीछे भाजपा पदाधिकारी चल रहे थे जो रथ के समीप आने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिसकर्मी उन्हें रोक रहे थे लेकिन बापूबाजार में जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नजर पड़ी तो उन्होंने पुलिसकर्मियों से उन्हें अंदर आने को कहा। इसके पश्चात रथ के आगे व पीछे दोनों तरफ भीड़ रोड शो में पैदल ही अस्थल मंदिर स्थित सभास्थल पहुंची। आधे घंटे के इस रोड़ शो ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नई ऊर्जा फूंक दी। अमित शाह ने अपने इस रोड शो से मेवाड़-वागड़ की चारों लोकसभा सीटों को साध दिया।

उदयपुर में रोड शो के दौरान गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी मौजूद रहे।

- अमित शाह ने अपने इस रोड शो से मेवाड़-वागड़ की चारों लोकसभा सीटों को साधा

रोड शो के दौरान देहलीगेट चौराहे पर मंच बनाकर भगवान श्रीनाथजी की झांकी बनाई गई जहां चांग वादन कार्यक्रम हुआ। बैंक तिराहे पर कार्यकर्ताओं की ओर से अमित शाह पर फूल बरसाने शुरू किए जो पूरे मार्ग में चलता रहा।

बीकानेर के शहरी और ग्रामीण मतदान केन्द्रों पर उत्सव जैसा माहौल रहा

बीकानेर, (निसं)। संभाग की बीकानेर लोकसभा सीट पर शाम छह बजे तक लगभग पचास फीसदी वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा वोटिंग बीकानेर पश्चिम सीट पर हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय 6 बजे तक करीब 49.89 प्रतिशत मतदान रिकार्ड किया गया। निर्धारित समय के बाद भी मतदान केन्द्रों के अन्दर पहुंचे लोग मतदान कर रहे थे। ऐसे में फाइनल मतदान का प्रतिशत देर रात तक आने की संभावना है। इसमें सबसे अधिक बीकानेर पश्चिम में 63.51 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि सबसे कम मतदान नोखा विधानसभा क्षेत्र में 36.22 प्रतिशत रहा। इसी तरह बीकानेर पूर्व में 53.91 प्रतिशत, डूंगरगढ़ में 42.56 प्रतिशत, खाजुवाला में 53.29 प्रतिशत कोलायत में 46.20 प्रतिशत तथा लूणकरणसर में 45.51 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में शामिल अनूपगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सांय 6 बजे तक 61.56 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। वहीं देर शाम तक समाचार लिखे जाने तक कई मतदान केन्द्रों में मतदान जारी था। भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने पत्नि पाना देवी के साथ किसमीदेसर स्थित बूथ नम्बर 175 पर वोट डाला। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत मतदान के दौरान शुक्रवार को जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाई।

भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने पत्नि पाना देवी के साथ किसमीदेसर स्थित बूथ पर वोट डाला।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने पंचशती सर्किल स्थित महिला जागृति परिषद में बने मतदान केंद्र में मतदान किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दुलीचंद मीणा ने सैनिक विश्राम गृह मतदान केंद्र पर माताधिकार का उपयोग किया। जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरि शंकर आचार्य ने शीतला गेट के बाहर स्थित केंद्र में मतदान केंद्र में वोट डाला। जिला आईकॉन और राष्ट्रीय स्वीमर पंकज सेवग तथा ट्रांसजेंडर मतदाता मुस्कान बाई ने श्यामौली के साथ अपने माताधिकार का प्रयोग किया।

जिले के गाढवाला गांव में ग्रामीण मतदाता ऊंट गाड़े पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दूसरों से मतदान करने की अपील की। यहां के शैतान सिंह राईका ने बताया कि लोकतंत्र के महोत्सव में भागीदारी निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। जिले के दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं ने भी उत्साह के साथ इस पर्व में भाग लिया। वृद्धजनों एवं दिव्यांग मतदाताओं को उनके परिजन मतदान स्थल तक लेकर आए। वहीं, मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर भी उपलब्ध करवाई गई। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में अपने मतदान केंद्रों तक पहुंची। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न केंद्रों पर रखे सेल्फी प्वाइंट आकर्षण के विशेष केंद्र रहे।

- ग्रामीण मतदाता ऊंट गाड़े पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचे और दूसरों से मतदान करने की अपील की

मतदान के दौरान मतदाताओं ने अपने एपिक कार्ड अथवा 12 अन्य वैकल्पिक पहचान पत्रों में से किसी एक का उपयोग करते हुए मतदान किया। मतदान स्थलों पर विद्युत, पेयजल सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद रही। महिलाओं, युवाओं और दिव्यांग कार्मिकों वाले मतदान दलों ने भी मतदाताओं को प्रेरित किया। वहीं, ग्रीन, पिंक, यूनिक और आदर्श मतदान केंद्रों की विशेष सजावट आमजन के लिए खास रही।जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने यूआईटी स्थित इंट्रीगेटेड कंट्रोल रूम से पूरी स्थिति पर नजर रखी। उन्होंने वेब कास्टिंग की मॉनिटरिंग भी लगातार की। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस यक्ष चौधरी और जनसंपर्क अधिकारी भाग्यश्री गोदारा भी मौजूद रहे।

वागड़ की संसदीय सीट अब भाजपा व बाप के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बनी

कांग्रेस ने दावेदार खड़ा कर गठबंधन के नाम पर आत्मसमर्पण किया

डूंगरपुर, (निसं)। लोकसभा चुनाव को लेकर दूसरे चरण के मतदान की तिथि को कोई एक सप्ताह रह गया है लेकिन अभी तक किसी बड़ी चुनावी सभा नहीं होने के कारण चुनावी रंगत तो फिजा में नहीं जम पायी है लेकिन भाजपा के साथ-साथ क्षेत्रीय दाल बीएपी ग्रामीण क्षेत्रों को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं।

- मालवीय को बांसवाड़ा की पांच विधानसभा सीटों पर सबसे ज्यादा है उम्मीद
- डूंगरपुर में भाजपा को परंपरागत वोट व कांग्रेस के निजी सहयोगियों पर भी है आस

जहां दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का उम्मीदवार भी चुनावी समर से अभी तक हटा नहीं है और न ही उसके पास ऐसे कोई निर्देश हैं। लोकसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही जिस तरह बीएपी के प्रत्याशी व समर्थक भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी जमकर कोसने में लगे हुए थे यही नहीं बीएपी के समर्थक तो ग्रामीण क्षेत्र से लगाकर मुख्य सड़कों पर आतंक के साये में प्रचार अभियान करने में जुटे हुए हैं ओर विशेष कर इस क्षेत्रीय दल से जुड़ा हुआ युवा तो शाम ढलने के साथ ही सड़कों पर इस तरह हुड़दंग मचाता है मानो कानून व्यवस्था उनके अभिकर क्षेत्र की बात हो। हाल ही में भाजपा समर्थक एक सरपंच की गाड़ी पर न केवल झंडा उतर दिया अपितु उसे चेतावनी भी दे डाली कि वह भाजपा के प्रचार से अपने आप को दूर रखे। इस सम्बन्ध में प्राथमिकी भी दर्ज हो गयी है और इस घटना के बाद राज्य सरकार ने भी ऐसी हरकतों पर रोक लगाने एवं निर्भीक व निष्पक्ष मतदान करवाने के लिए चुनाव आयोग ने भी कठोर कदम उठाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

भाजपा के लिए अब कई पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेताओं की रेलमपेल शुरू हो गयी है तथा अपने तथा परंपरागत वोटों के अलावा कांग्रेस के वे मतदाता जो कांग्रेस के अभिकृत उम्मीदवार को लेकर असमंजस में हैं उन्हें रिझाने की जुगत में लगे हैं क्योकि डूंगरपुर जिले का कांग्रेस कर्मी पूरी तरह क्षेत्रीय दल से समझौते के खिलाफ था। गुरुवार को कांग्रेस व बीएपी की एक बैठक कुछ नेताओं के साथ एक होटल में हुई है जिसमें प्रचार को ले कर भी सहमति बनी है। बीएपी तो पहले ही किसी की आवश्यकता से नकार चुकी है क्योंकि वह पूरी तरह अपने सामाजिक मतों व अल्पसंख्यकों के मतों पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

लोकसभा चुनाव में डूंगरपुर जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों में लगभग आठ लाख मतदाता हैं। चौरासी क्षेत्र में बीएपी हाल ही के विधानसभा चुनावों में जिस तरह साथ हजार से अधिक मतों से जीत कर इस क्षेत्र को अपना वोट बैंक बना चुकी है वहीं दूसरी ओर बांसवाड़ा जिले से पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं और करीब तेरह लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं हालही के विधानसभा चुनावों में पांच विधानसभा सीटों में चार पर कांग्रेस विजयी रही थी और एक विधान सभा सीट भाजपा के खाते में गयी थी तथा इस क्षेत्रीय दल का आरंभ से ही पैर नहीं ज़माने दिए थे। लेकिन लोकसभा चुनावों में गठबंधन से भी ज्यादा अर्जुन बामनिया व अन्य विधायक जो की कांग्रेस राज में मालवीय के दबदबे से खासे परेशान थे वे अब मालवीय को किसी भी कीमत पर विजयश्री का सेहरा नहीं बंधवाने के इच्छुक हैं। हालांकि मालवीय और उसके कुछ खास समर्थकों ने डूंगरपुर जिले में भी कांग्रेस में आपसी गुटबाजी पनपने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी और उसीके परिणाम स्वरुप हालही के चुनावों में तीन विधानसभा क्षेत्रों में तो कांग्रेस की जमानत भी जब्त हो गयी थी।

केवल डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने अपने बलबूते पर बड़ी जित हांसिल कर कांग्रेस के कर सेवकों को आइना दिखा दिया था। ऐसे में इस बार वे भी अभी तक तो चुनावी समर से खुले तोर पर अपने आपको अलग ही रखे है और वे गुरुवार को हुई बैठक से भी अपने आप को दूर रख कर अपनी मंशा जाहिर कर चुके हैं। ऐसे डूंगरपुर का कांग्रेस संगठन किस तरह की रणनीति अपनाता है क्योकि अप्ल संख्यक मतदाता तो कांग्रेस की ओर से दिशा निर्देश नहीं होने के कारण बीएपी की ओर अपना रुख करने को आतुर है ऐसे में इक्कीस अप्रेल को बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली चुनावी सभा के बाद ही फिजा में किस तरह भगवा रंग घुलता है।

राजस्थान के 12 लोकसभा क्षेत्रों में 5.84 प्रतिशत गिरावट के साथ मात्र 57.87 फीसदी मतदान

जबकि इन्हीं क्षेत्रों वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 63.71 फीसदी वोटिंग हुई थी

लोकसभा क्षेत्र	वर्ष 2024	वर्ष 2019
श्रीगंगानगर	65.64 %	74.39 %
बीकानेर	53.96 %	59.24 %
चूरू	62.98 %	65.65 %
झुंझुनूं	51.62 %	61.78 %
सीकर	57.28 %	64.76 %
जयपुर ग्रामीण	56.58 %	65.00 %
जयपुर शहर	62.87 %	68.11 %
अलवर	59.79 %	66.82 %
भरतपुर	52.69 %	58.81 %
करौली-धौलपुर	49.29 %	55.06 %
दौसा	55.21 %	61.20 %
नागौर	56.89 %	62.15 %

- **श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर शहर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में शुक्रवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान हुआ**
- **निर्वाचन विभाग ने प्रदेश के 12680 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग से निगरानी रखी**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रथम चरण में राजस्थान के 12 निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कुल 57.87 फीसदी मतदान हुआ। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर शहर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में हुए इन लोकसभा चुनावों में ई.वी.एम. के जरिए 57.26 फीसदी वोटिंग हुई है, जबकि शेष 0.61 प्रतिशत मतदान पोस्टल बैलेट के जरिए हुआ।

अगर इन्हीं 12 लोकसभा क्षेत्रों में हुए मतदान की गत वर्ष 2019 के चुनाव से तुलना करें तो इस बार करीब 5.84 फीसदी कम वोटिंग हुई है। क्योंकि वर्ष 2019 में इन्हीं 12 क्षेत्रों में कुल 63.71 फीसदी मतदान हुआ था।

निर्वाचन विभाग की तमाम कोशिशों और पुलिस सुरक्षा के बीच शुक्रवार को 23 हजार 370 मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान संपन्न हुआ। हालांकि कुछेक जगह उपद्रव की छिटपुट घटनाएं भी हुई है। नव विवाहित जोड़ों, दिव्यांग, थर्ड जेंडर, आदिवासियों, वृद्धों और युवाओं समेत सभी मतदाताओं ने मतदान में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। नव मतदाताओं ने बढ़-चढ़ कर वोट किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इन 12 लोकसभा क्षेत्रों में 57.87 प्रतिशत मतदान हुआ है, जिसमें ई.वी.एम. के जरिए 57.26 और पोस्टल बैलेट से 0.61 वोटिंग दर्ज की गई है। फॉर्म 17ए की जांच के बाद 20 अप्रैल तक ही अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़ें प्राप्त हो सकेंगे। शाम 6 बजे तक भी कई स्थानों पर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी थीं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदाता बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचने लगे। दिनभर मतदान केंद्रों पर हंसते-मुस्कराते, उत्साह से लबरेज मतदाताओं का तांता लगा रहा।

गुप्ता ने बताया कि इन क्षेत्रों के 12680 मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रक्रिया की लाइव वेब कास्टिंग करवाई गई। रिटर्निंग अधिकारी, जिला एवं राज्य स्तर पर और भारत निर्वाचन आयोग के स्तर पर वेब कास्टिंग की मॉनटरिंग की गई। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय पुलिस बल और माइक्रो ऑब्जर्वर लगाए गए।

सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के सुविधा को ध्यान में रखते हुए रैम्प, पीने के पानी, छाया, व्हीलचेयर और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए वाहन सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। साथ ही, मतदाताओं की सहायता के लिए हर मतदान केन्द्र पर वॉलन्टियर्स तैनात किए गए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शुक्रवार को जयपुर में सी-स्कीम स्थित सरदार पटेल मार्ग पर रेजीडेंसी स्कूल में अपना वोट डाला।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को प्रात: लोकसभा आम चुनाव 2024 के प्रथम चरण के तहत हो रहे मतदान के लिए सिद्धार्थ नगर के नवोदय महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मतदान केन्द्र पहुंचे। उन्होंने मतदान केन्द्र पर सपरिवार मतदान किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने परकोटे में गणगौरी बाजार में जनाना ड्योढी स्थित एक स्कूल में मतदान किया।

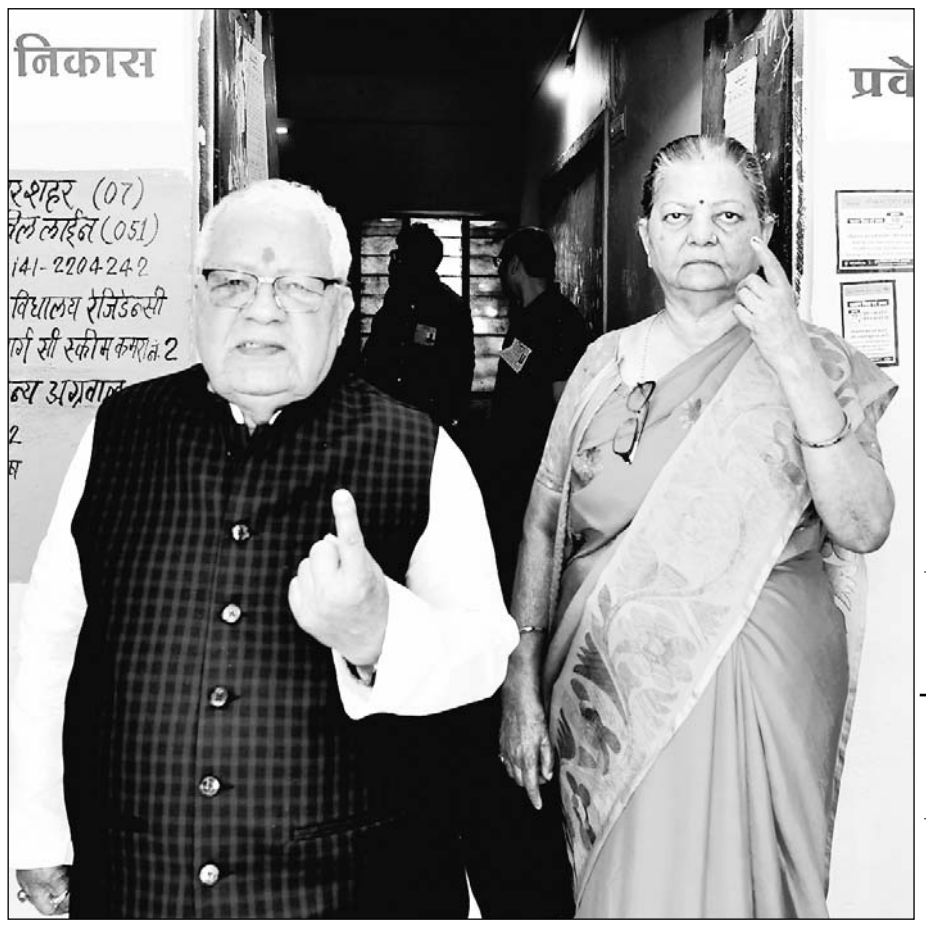

राज्यपाल कलराज मिश्र और राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना मतदान किया। राज्यपाल मतदान के लिए प्रात: 9.30 बजे सी स्कीम, सरदार पटेल मार्ग स्थित महात्मा गांधी राजकीय आवासीय विद्यालय मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने वहां अपना मतदान किया।

श्री काँची प्रतिवादी भयंकर मठ के गादी स्वामीजी का गलतापीठ में अभिनंदन

जयपुर, (का.सं.)। उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि मठ श्री गलता जी में वेदान्ताचार्य जगद्गुरू अनन्त श्री विभूषित श्री काँची प्रतिवादी भंयकर मठ गादी स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज एवं बालक स्वामी अनंताचार्य का श्री गलता पीठ में आगमन हुआ।

इस पावन अवसर पर गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य एवं युवाचार्य राघवेन्द्र ने गादी स्वामी एवं बालक स्वामी की नारियल से कपूर आरती की व शठारी दी। स्वामी का कारी, शंख, छत्र आदि से भव्य स्वागत किया गया।

इसके पश्चात गादी स्वामी जी एवं बालक स्वामी ने गलता पीठ में विराजमान विग्रहों के दर्शन किए। गलता पीठ के युवाचार्य स्वामी राघवेन्द्र द्वारा श्री गादी स्वामी के पाद-पूजन के पश्चात स्वामी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद, अक्षत, फल प्रसाद आदि दिए।

गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज ने गादी स्वामी एवं बालक स्वामी का तथा स्वामी जी के साथ पधारे संतों व परिकरों का भी बहुमान किया।

इस अवसर पर श्याम भूतड़ा, सुरेश त्रिवेदी, श्रीगोपाल मोदानी, पंकज जोशी, गिरिराज शर्मा, रतन मीणा, वसुंधरा, हेमन्त, अंशु गुप्ता सहित श्री वैष्णव जन एवं नगर के अनेकों विशिष्टजनों ने स्वामी का व्यक्तिश: आशीर्वाद प्राप्त किया।

लोकसभा चुनाव: लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी निभाने के लिए उत्साह के साथ वोट डालने पहुंचे बुजुर्ग और युवा

जयपुर में लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर उत्साह दिखा, फिर भी वोटिंग प्रतिशत वर्ष 2019 के मुकाबले कम रहा

जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने परिवार के साथ दुर्गापुरा स्थित राजकीय बालिका स्कूल में मतदान किया।

जयपुर के मतदान केन्द्रों पर सुबह 6 बजे से ही वोटिंग के लिए लोगों की कतारें लगना शुरू हो गई। सुबह 7 बजे जैसे ही वोटिंग शुरू हुई तो लोगों ने बारी-बारी से अपने प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर, (कासं)। लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी निभाने के लिए बुजुर्गों से लेकर युवाओं ने उत्साह दिखाया। शुक्रवार को प्रदेश के 12 लोकसभा क्षेत्रों में हुए मतदान को लेकर निर्वाचन विभाग ने खास इंतजाम किए थे। जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में लोग उत्साह के साथ वोट डालने पहुंचे। "अंगुली पर स्याही" के साथ सेल्फी स्टैंड पर फोटो खींचवाने को लेकर युवाओं में काफी उत्साह दिखाई दिया।

निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस बार जयपुर ग्रामीण में 56.58 और जयपुर शहर में 62.87 फीसदी मतदान हुआ, जबकि वर्ष 2019 में इन दोनों जगहों पर क्रमश: 65 व 68.11 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। यानि कि इस बार जयपुर शहर में पिछली बार की तुलना में 5.24 और जयपुर ग्रामीण में 8.42 प्रतिशत वोट कम डाले गए। इस कारण नेताओं से लेकर उनके समर्थकों के दिलों की धड़कनें तेज हैं।

पूरे राजस्थान में वोट प्रतिशत गिरने का एक बड़ा कारण गर्मी को माना गया है, लेकिन शुरुआती मतदान के समय में सुबह के 4 घंटे में भी मतदान प्रतिशत 21 प्रतिशत ही रहा था। तभी संकेत मिल गया था कि राजस्थान में इस बार जनता मतदान करने को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित नजर नहीं आ रही है। दोपहर के बाद तो 1 घंटे में ढाई तीन प्रतिशत वोट ही डाला जा सका। हालांकि शाम को 1 घंटे के दौरान मतदान प्रतिशत कुछ बढ़ा, लेकिन फिर भी अंतिम 1 घंटे में सिर्फ 7 प्रतिश वोट ही डाले जा सके।

- **हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य वोट देने के लिए गलत बूथ पर पहुंच गए, यहां वोटर लिस्ट में नाम नहीं मिला तो**
- **दूसरे बूथ पर जाकर वोट डाला**
- **निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस बार जयपुर ग्रामीण में 56.58 और जयपुर शहर में 62.87 फीसदी मतदान हुआ, जबकि वर्ष 2019 में इन दोनों जगहों पर क्रमशः 65 व 68.11 प्रतिशत वोटिंग हुई थी**

मतदान में स्थानीय नेताओं से लेकर ब्यूरोक्रेट्स, साधु-संतों, बुजुर्गों, महिलाओं व नवदाताओं ने भी भागीदारी निभाई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने गांधीनगर स्थित महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में बने बूथ पर जाकर मतदान किया। सिविल लाइंस विधानसभा से भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने डीसीएम के लिटिल विंग्स स्कूल में बने बूथ पर जाकर मतदान किया। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक बधिर स्कूल में बने बूथ पर परिवार के साथ मतदान किया। मुख्य सचिव ने लाइन में लगकर अपनी बारी आने पर वोट दिया। जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने गांधी नगर स्थित पोलिंग बूथ पर वोट डाला। वोटिंग के बाद उन्होंने सेल्फी पॉइंट पर जाकर फोटो भी खिंचवाई।

वोटिंग के दौरान राजधानी जयपुर के साथ कई ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग नजारे देखने को मिले। हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य वोट देने के लिए गलत बूथ पर पहुंच गए। यहां वोटर लिस्ट में नाम नहीं मिला तो दूसरे बूथ पर जाकर वोट दिया। इसके अलावा एक नव दंपत्ति शादी के जोड़े में वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ पर पहुंचे। किसी ने शादी के बाद की रस्मों के बीच समय निकालकर वोट दिया। इस दौरान कुछ मतदाता ऐसे भी थे, जो ज्यादा उम्र के कारण चल नहीं पाते हैं, लेकिन अपने परिजनों के साथ पहुंचकर वोट दिया। बॉलीवुड सिंगर्स ने भी धोती-कुर्ता और साफा पहनकर वोट देने पहुंचे। पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं में भी उत्साह नजर आया। वोटिंग खत्म होने से कुछ मिनट पहले एक महिला दौड़ते हुए वोट देने के लिए पहुंची।

निर्वाचन विभाग ने फर्स्ट टाइम वोटर को प्रमाण पत्र दिया, जिसे पाकर नव मतदाताओं ने सेल्फी ली और उसे सोशल मीडिया पर भी अपलोड किया।

प्रदेश में लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण के तहत पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने शुक्रवार को जयपुर में अपने मताधिकार का उपयोग किया।

साहू ने जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित राजकीय सेठ आनंदी लाल पोद्दर बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में बूथ संख्या 25 के केन्द्र पर पहुंचकर पत्नी अनीता साहू के साथ अपना मतदान किया।

इस अवसर पर साहू ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग के लाखों कर्मचारी कई महीनों से इस व्यवस्था में लगे है कि सभी मतदाता आराम से मतदान कर सके। ऐसे में सभी मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अपने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर आवश्यक रूप से मतदान करना चाहिए।

मैकेनिक पर एक लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने मोटरसाइकिल इंजन में घटिया पार्ट्स लगाने व रिपेयर सही तरीके से नहीं करने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस व सेवादोष करार दिया है।

इसके साथ ही आयोग ने विपक्षी यादव होंडा केयर, कालवाड रोड के शिव कुमार यादव पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाया है। आयोग ने इंजन की मरम्मत के पेटे वसूली राशि 8,717 रुपए भी 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का निर्देश दिया है।

आठ दिन में दुकान में दो बार चोरी

जयपुर। कानोता इलाके में चोरों ने आठ दिन में एक दुकान को दूसरी बार निशाना बनाया है। चोर दुकान की दीवार में सेंधमारी कर किराने का सामान ले गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरें में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोर की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि माली की कोठी बगरना निवासी धारा सिंह (40) ने मामला दर्ज करवाया कि 52 फीट हनुमान मंदिर के सामने उनकी मैसर्स संत किराना स्टोर के नाम से दुकान है। गुरुवार रात करीब 9 बजे वे दुकान बंद कर वह घर चले गए। देर रात बदमाशों ने चोरी के लिए दुकान को निशाना बनाया गया। दुकान के जीने की दीवार में बड़ा छेद कर बदमाश अंदर घुस गया। इसके बाद दुकान में रखा करीब 3 लाख रुपए कीमत का सामान चोरी कर लिया। दीवार में बने छेद से ही बदमाश सामान चोरी कर बाहर निकल गया। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पूरी घटना की जानकारी मिली। चोर रात करीब 1:45 बजे दुकान में घुसता दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने बताया कि 10 अप्रेल को भी मेरी दुकान में चोरी हुई थी।

हर्षोल्लास से मनाया भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव

संजय इंक्लूसिव स्कूल में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया।

ब्यावर, (निसं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा संचालित संजय इंक्लूसिव स्कूल में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि अमित बंसल अध्यक्ष महावीर इंटरनेशनल युवा एवम अध्यक्षता वीना नाहर पूर्व चेयर पर्सन जीतो लेडिस विंग, ज्ञानचंद कोठारी पूर्व चेयरमैन अजमेर जॉन, विनय पारिक, अनुपम रुनिवाल संस्थापक अध्यक्ष, निखिल महेश्वरी, सुनील सिंघल, पूर्व अध्यक्ष राजू भाई सेठिया अध्यक्ष जैन लोकाशाह नवयुवक मंडल, अमित डोसी श्री ओसवाल जैन श्री संघ, नरेंदर पाल पदावत अध्यक्ष उदय खरवा, प्रकाश मकाना, गोतम संचेती, अशोक पालड़ेचा अध्यक्ष महावीर इंटर नेशनल रॉयल, पारस कुमावत, रश्मि जैन, सुनीता, लव नामा, श्सत्यनारायन दाधीच, जे पी शर्मा, रोनक श्री श्रीमाल, योगेश बंसल, मोहित सिंघल, राजेश भूतड़ा, सुशिल शर्मा, सुधीर जैथलिया, त्रिलोक अग्रवाल, पुलकित सिंघल आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम शुरुआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। पुष्प भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। विद्यालय के बच्चो द्वारा महावीर स्वामी की शिक्षा जिओ और जीने दो अहिंसा परमो धर्म की जिवंत झांकी सजाई एवं सांस्कृतिक कार्यकर्म प्रस्तुत कियारणसिंह चीता (उपनिदेशक-शिक्षा) ने भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव की सभी को हार्दिक शुभ कामनाये देते हुए उनकी शिक्षा को आत्मसात कर जीवन जीने की प्रेरणा दी। अमित बंसल मुख्य अतिथि ने अपने उद्बबोधन में बताया कि महावीर स्वामी ने जीवन में मनुष्य के कल्याण के कार्य किये एवं सभी जीवो के साथ अहिंसात्मक व्यवहार करने की प्रेरणा दी। हमें उनके द्वारा बताये मार्ग का अनुसरण करना है। विद्यालय के कार्यो की सराहना करते हुए हमेशा सहयोग करने की बात की।

वीना नाहर ने भगवन महावीर के जीवन परिचय प्रकाश रखते हुए उनकी शिक्षा को समझाया एवं सभी को क्षमा करने का महत्व बताते हुए शुभकामनाये दी। अनुपम रुनिवल ने सभी को महावीर स्वामी जयंती की शुभ कामनाये देते हुए विद्यालय के कार्यो की सराहना की।

'अजमेर की विरासतें देख हम हुए प्रभावित'

- जन सेवा समिति और श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के तत्वावधान में संग्रहालय में गोष्ठी

अजमेर, (कासं)। जन सेवा समिति सर्वधर्म प्रतिनिधियों और श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियो के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय संग्राहलय में आयोजित विरासतें हमारी पहचान विषय पर आयोजित वैचारिक गोष्ठी में चण्डीगड और पंजाब उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एचएस मदन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि अजमेर में कौमी एकता की मिसाल देखने को मिलती है।

उन्होने कहा कि अजमेर में विश्व सतरीय विरासतें देखने को मिलती है उनमें अजमेर के पुष्कररराज, बारह दरी, आनासागर झील, ख्वाजा मुईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह और राजकीय संग्रहालय प्रमुख है। कार्यक्रम के संयोजक व श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ व जन सेवा समिति के महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय संग्राहलय के अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार अवस्थी ने बताया कि हमारा उद्वेश्य हे कि हमारी धरोहरों और विरासतो की जानकारी युवा पीढि को अधिक से मिले।

सह संयोजक तरूण कुमार वर्मा ने अपने विचार में बताया कि अजमेर का पूर्व नाम अजयमेरू है जो कि एक ऐतिहासिक नाम है।तरूण वर्मा और रमेश लालवानी ने सर्वधर्म प्रतिनिधियो सिख धर्म के जस्टिस एचएस मदन दम्पति,बौद्व मठठ के पुष्पेन्द्र कुमार, मुस्लिम धर्म के इरफान खान,खाईलैण्ड मार्केट विकास समिति के सचिव प्रदीप कुमार अग्रवाल,आगरा गेट व्यापारिक ऐसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश तम्बोली,सुश्री पिंकी छाबडा,विरन्द्र कुमार,सूरत के हरि चान्डल आदि का राधास्वामी सत्संग डेरा बाबा जैमलसिंह डेरा ब्यास अमृतसर से प्रकाशित आध्यात्मिक साहित्य परमार्थी साखियां भेट करके सम्मानित किया।

संयोजक रमेश लालवानी और सह संयोजक तरूण कुमार वर्मा का संग्रहालय परिवार की और से पुष्पेन्द्र कुमार और विरनेन्द्र कुमार ने माल्यार्पण करके और राजकीय संग्रहालय का समस्त अतिथियो को निरीक्षण करवाकर अभिनन्दन किया गया।

सार-समाचार

मुख्य शासन सचिव ने किया निरीक्षण

मसूदा, (निसं)। राज्य के मुख्य शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने शुक्रवार को मसूदा खण्ड क्षेत्र के खरवा के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री कृष्ण कुणाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र के चिकित्सक कक्ष मेल वार्ड, फिमेल वार्ड का निरिक्षण किया गया लेब एवं होने वाली जाचों का विस्तृत जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय में होने वाली जाचों एवं उपकरण की उपलब्धता के बारे में विस्तृत जानकारी ली एवं मरीजों से दवाइयों की उपलब्धता एवं मरीजों से रूबरू होकर चिकित्सालय स्टॉफ के व्यवहार की जानकारी ली। मुख्य शासन सचिव ने चिकित्सालय के सेनिटेशन सुविधा एवं पानी की उपलब्धता के बारे में उन्होंने खुद टायलेट मे जाकर जाँच की। निरीक्षण के दौरान ओ.पी.डी 204. एवं आई. पी. डी. 15 डिलवरी 2 डी.डीसी.में 540 प्रकार की दवाईयों की उपलब्धता पाई गई एवं चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ दुर्गा दत्त एवं समूचे स्टाफ का कार्य व्यवहार संतोषजनक पाया गया। मुख्य शासन सचिव कृष्ण कुणाल के द्वारा चिकित्सालय परिसर में संचालित आयुष चिकित्सा स्टाफ के बारे में जानकारी लेने के दौरान आयुष चिकित्सक एवं स्टॉफ की अनुपलब्धता पाए जाने पर उन्होंने जयपुर स्थित उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर आयुष स्टाफ लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान ब्यावर जिला कलेक्टर उत्सव कौशल,ब्यावर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय गहलोत, अत्तिरित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. लोकश कुमावत, मसूदा उपखण्ड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत एवं मसूदा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित वैष्णव मौजूद थे।

प्रमुख पदाधिकारी होंगे सम्मानित

अजमेर, (कासं)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के प्रमुख पदाधिकारियों को आज शनिवार को रात्रि में 07 बजे उत्तार धसेटी क्षेत्र में गणगौर की सवारी के पूजन महाआरती के आयोजन के अवसर पर सम्मानित किया जायेगा।उत्तार धसेटी के अध्यक्ष और महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र बंसल ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया है कि शनिवार को महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व आगरा गेट के संरक्षक भागचन्द दौलतानी,महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी,दरगाह बाजार के होतचन्द सीरनानी,जोधा टेकचन्दानी,सदर बाजार के अध्यक्ष अशोक मुदगल,सचिव अशोक दुल्हानी मामा,सचिव दौलत खेमानी,कोषाध्यक्ष विजय खेमानी,संजय मार्केट यूथ विंग के अध्यक्ष मितेश निचानी,उपाध्यक्ष हरीश अगनानी,सचिव हरीश वतवानी,न्यू मैजेस्टिक यूथ विंग के अध्यक्ष नीरज नन्दा,उपाध्यक्ष उमेश गिदवानी,पुलिस लाईन्स के अध्यक्ष रणवीर सैनी,गंज के अध्यक्ष मानमल गोयल,देहली गेट के अध्यक्ष जशन वरलानी,कचहरी रोड के सचिव किशोर टेकवानी,भोजनालय संघ के अध्यक्ष किशन सिंह राव,डिग्गी प्लाजा मार्केट के दिलीप बूलचन्दानी,डिग्गी बाजार के अध्यक्ष विजय गोयल,अहाता मौहल्ला के अध्यक्ष अश्वनी शास्त्री,सौदागर मौहल्ला के सचिव उमेश शर्मा सहित अन्य का अभिनन्दन किया जायेगा।महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि महासंघ के पदाधिकारी गणगौर पूजन में महाआरती में सम्मलित होकर सबकी खुशहाली और अच्छे व्यापार की भी प्रार्थना करेंगे।

धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

अजमेर, (कासं)। आशा गंज स्थित हासीबाई धर्मशाला के पास स्थित पूज उडेरो लाल मन्दिर कमेटी एवं नवयुवक सेवा मण्डल द्वारा मन्दिर के द्वारा शुक्रवार को पूज्य झूलेलाल के थारूं के दिवस पर पूज्य श्री झूलेलाल साहिब की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करके महिला मण्डल द्वारा गीत संगीत पंजडे,आरती,पल्लव प्रार्थना छेज के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सेवादारी लेखराज ठकुर ने बताया कि पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार रमेश लालवानी का इस अवसर पर पूज्य श्री झूलेलाल साहिब की पख्खर पहनाकर, पूज्य श्री झूलेलाल साहिब के लॉकेट के मोतियो की माला पहनाकर, टिप्प्णा प्रदान करके सम्मानित किया गया। नवयुवक सेवा मण्डल और मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष वीरूमल ज्ञानचन्दानी,उपाध्यक्ष अजीत कुमार पमनानी, महासचिव दिनेश गुरूबक्षानी, सेवादारी लेखराज ठकुर, सह सचिव जेठानन्द मंधनानी, कोषाध्यक्ष मोतीराम लधानी की कमेटी के द्वारा सेवाऐ प्रदान की गई।

बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सेवा भारती की माधव शाखा के तत्वावधान में तीर्थराज पुष्कर के पास बसे ग्राम चावंडिया के स्लम एरिया नायकों की ढाणी में स्थापित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले 55 विद्यार्थियो को गणवेश की सेवा भेंट की गई। अध्यक्ष लायन अनिल छाजेड़ ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक प्रांतीय सभापति हंगर रिलीफ लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एवम माधव शाखा के मुख्य शिक्षक गिरधारी सेन के आथित्य में जरूरतमंद परिवार के बच्चो को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए उपहार स्वरूप गणवेश की सेवा दी। अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश रार ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर लायन अतुल पाटनी, गिरधारी सेन, ओम प्रकाश रार, कन्हैया लाल सेन, हरी किशन सेन, जगदीश प्रसाद, सौरभ जाट सहित बच्चो के अभिभावक मोजूद रहे।

द्वितीय प्रशिक्षण 21 अप्रेल को

भीलवाड़ा, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत भीलवाडा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सम्मिलित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर नियुक्त किये जाने वाले सेक्टर अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के कानूनों एवं नियमों की जानकारी देने तथा निपूर्णता लाने के उद्वेश्य से 21 अप्रैल को प्रातः 11 बजे नगर परिषद के महाराणा प्रताप सभागार में द्वितीय प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता ने बताया कि प्रशिक्षण में 212 सेक्टर अधिकारी एवं 191 पुलिस अधिकारी भाग लेगे।

शत प्रतिशत मतदान की ली शपथ

अरांई, (निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा अराई के सदस्यों ने मतदान शत प्रतिशत कराने हेतु शपथ ली गई राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा अराई के अध्यक्ष ओमप्रकाश सारण के नेतृत्व में पेंशनर्स और मातृशक्ति को मतदान करने की शपथ दिलाई गई साथ ही अन्य को भी मतदान हेतु प्रेरित करने का आव्हान किया गया। शपथ कार्यक्रम के दौरान मंत्री हनुमान प्रसाद खोरवाल ने 26 अप्रैल को मतदान करने के लिए प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदाताओं को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं होने दे और निष्पक्ष मतदान करने के लिए निर्भीक होकर मतदान में भाग लेवे।

तहसीलदार सहित अन्य के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

मसूदा, (निसं)। फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी हस्ताक्षर कर दिए जाने के मामले में मसूदा थाने में तहसीलदार सहित अन्य के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैगलियावास निवासी सुरेंद्र बेरवा ने धोखाधड़ी से फर्जी दस्तावेज तैयार करने एवं उसके फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप में बैगलियावास निवासी हरगोविंद सिंह तथा तात्कालिक तहसीलदार ओम सिंह लखावत तथा तहसील के कर्मचारी सत्यनारायण शर्मा के विरुद्ध पुलिस थाना मसूदा में 420,406,120 बी भारतीय दंड संहिता सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है जिस पर पुलिस थाना मसूदा ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है त पीड़ित ने न्यायालय में प्रस्तुत अपने परिवाद में बताया कि यह कि दिनांक 25.06.2016 को हर गोविंद सिंह उसके घर आया और कहा कि उसके दादा औंकार सिंह की भूमि के उपर लोन की फाईल बनवानी हैं इसलिए उसे गवाह की आवश्यकता है तब परिवादी ने उसका विश्वास करते हुए लोन की फाईल पर हस्ताक्षर करने हेतु अपनी सहमति दे दी तत्पश्चात परिवादी को अपने साथ लेकर मसूदा लेकर आया और मसूदा में दस्तावेज लेखक की दुकान पर परिवादी को लेकर के गया जहाँ पर लोन की फाईल पर परिवादी के हस्ताक्षर करवाये परन्तु परिवादी के भरोसे एवं विश्वास पर नाजायज लाभ उठाते हुए परिवादी के हस्ताक्षर अपने दादा ओंकार सिंह की वसीयत पर भी करवा लिये जबकी परिवादी ने विश्वास करते हुए केवल मात्र लोन की फाईल पर हस्ताक्षर करने हेतु सहमति दी थी परन्तु परिवादी के साथ धोखाधडी कारित करते हुए वसीयतनामा पर भी परिवादी के हस्ताक्षर अंकित करवा लिये जिसकी परिवादी को कोई जानकारी नहीं थी।

आसीन्द में मनाएंगे स्वीप का अनोखा रक्षाबंधन

अनोखे स्वीप रक्षाबन्धन के अवसर मतदाताओं को 5100 राखीयाँ बांधी जाएगी।

आसीन्द, (निसं)। विधान सभा क्षैत्र आसीन्द में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिये उम्मेदसिंह राजावत, सहायक रिटर्निंग अधिकारी आसीन्द ने नये वोटर्स, युवा मतदाता तथा मतदान के प्रति बेरूखी रखने वाले मतदाताओं की रूची मतदान की और बढाने के लिये यह नवाचार व अनोखी पहल की है। आसीन्द से स्वीप प्रभारी अशोक कुमार पारीक भू.अभिलेख निरीक्षक ने बताया कि उपखण्ड प्रशासन आसीन्द स्वीप कार्यक्रम के तहत पारीक परिवार बराणा ने तहसील कार्यालय की महिला पटावारीयों के सहयोग से 5100 राखियाँ विशेष रूप से तैयार कर सहायक रिटर्निंग अधिकारी आसीन्द को उपलब्ध करवाई है।

ये राखियाँ आकर्षक व मतदान करने का सन्देश देने वाली है जिन पर भैया वोट देना, बहना वोट देना,मैं मतदान करूगां/करूंगी आदि के स्लोगन लिखे हुये है जिसे देखते ही मतदाता के मन में मतदान करने की भावना उत्पन्न होती है।

आसीन्द के राजकीय विद्यालय की छात्रायें तथा तहसील की महिला पटवारी आसीन्द कस्बे में शनिवार को प्रातः 9.30 बजे अनोखे स्वीप रक्षाबन्धन के अवसर मतदाताओं को ये 5100 राखीयाँ बांधेगी। शहर के मुख्य स्थानों चुंगीनाका, पंचायत समिति चौराहा, सदर बाजार , बड़े मन्दिर के पास, गांधी चौक व बस स्टेण्ड पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी आसीन्द,भंवरलाल सैन तहसीलदार आसीन्द, नीतू पारीक नायब तहसीलदार आसीन्द, सुधीर पाठक विकास अधिकारी आसीन्द की उपस्थिति में ये अनोखा स्वीप रक्षा बन्धन का आयोजन किया जायेगा।

मतदान जागरूकता रथ किया रवाना

अजमेर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अजमेर व राजस्थान पर्यावरण विकास एवं शोध संस्थान अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में जिला कलेक्ट्रेट से अजमेर क्षेत्र में मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूकता अभियान रथ को रवाना किया। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल व्यास, पर्यावरण विकास संस्थान की अध्यक्षा मंजू शर्मा ने मतदान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं वोटर सेल्फी जोन का भी विमोचन किया। मतदान जागरूकता रथ 26 अप्रैल तक लोकसभा चुनाव के लिए अजमेर शहर में जगह-जगह जाकर लोगो को वोट डालने के लिए प्रेरित करेगा। मतदान जागरूकता रथ में "मेरा वोट होगा जरूर", "कोई मतदाता ना छूटे", "वोट कोई ना हो बेकार" का नारा दिया। इस मौके पर स्वयं जिला कलेक्टर ने वोटर सेल्फी जोन पर अपना फोटो क्लीक कराकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। इस उपलक्ष्य पर संस्था सचिव प्रकाशचंद, संस्थान सदस्य मौजूद रहे।

एक्यूप्रेशर, फिजियोथेरेपी नि:शुल्क शिविर का आयोजन

अजमेर, (कासं.)। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन पर्व पर प्रातः 9 से 12 बजे तक, मणीपुंज सेवा संस्थान, बी.के.कौल नगर, अजमेर में दो दिवसीय नि:शुल्क एक्यूप्रेशर, रेकी चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया था जिसे रोगियों की माँग पर एक दिन और बढ़ाया गया है। एक्यूप्रेशर एवं रेकी चिकित्सा हेतु डॉ. महेश अग्रवाल एवं उनके सहयोगी टीम ने अपनी प्रशंसनीय सेवायें दी। डॉ. नीलम अग्रवाल एवं डॉ. डिम्पल डांगी ने फिजियोथेरेपी के माध्यम से आने वाले रोगियों के उपचार एवं परामर्श देते हुए उन्हें स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया। शिविर में धर्मेश जैन, शिखरचंद सिंगी, सुमतीमल लोढ़ा, रूपचंद बोहरा, ज्ञानचंद लोढ़ा, मुकेश लोढ़ा, विक्रमसिंह पारख, प्रकाश कूमठ, शांतिलाल श्रीश्रीमाल, दीपक चोपड़ा, पारसमल हिंगड़ आदि ने अपनी सेवायें दी। रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पत सिंह जैन कूमठ एवं गोपीचंद लोढ़ा, राजेन्द्र गैलड़ा आदि की टीम द्वारा अपनी सेवायें दी गई जो 20 अप्रेल को भी अपनी नि:शुल्क सेवायें देगें। आज शिविर में लगभग 180 व्यक्तियों ने एक्यूप्रेशर के माध्यम से 60 व्यक्तियों ने रैकी के माध्यम से एवं लगभग 40 व्यक्तियों ने फिजियोथैरेपी के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ लिया।

दिनांक 20 अप्रेल को डॉ. पंकज जैन,अरिहन्तडायग्नोस्टिकसेन्टर, पंचोली चौराहे के पास, अजमेर द्वाराप्रातः 6.00 बजे से 10 बजे तक रक्त, मूत्र, ई.सी.जी. आदि की नि:शुल्क जाँच की जायेगी। जाँच करवाने हेतु सभी को भूखे पेट आना होगा। अधिकांश जाँचे नि:शुल्क रखी गई है एवं कुछ जाँचे रियायती दरों पर की जा रही है ताकि क्षेत्रवासी एवं समाज बन्धु लाभान्वित हो सके। जाँच शिविर की तैयारियों हेतु मुकेश करनावट, विपिन जैन, संजय कावडिय़ा, अशोक पीपाड़ा, अशोक बोथरा, गौतम लुणावत, पारसमल हिंगड़, रमेश खाब्या, गौतम नाहर, रूपचंद बोहरा आदि अपनी सेवायें दे रहे है।

समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

भीलवाड़ा, (निसं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता ने शुक्रवार को सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण किया।

मेहता ने प्रशिक्षणाधीन अधिकारियों से कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी-प्रथम, मतदान अधिकारी-द्वितीय एवं मतदान अधिकारी-तृतीय को मतदान करवाने की प्रक्रिया को पूरी गम्भीरता और उत्साह से सीखें। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स को पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों की जिम्मेदारियों को बारीकी से समझाने के निर्देश दिए, ताकि मतदान के दिन यदि कोई समस्या आए, तो तत्काल उसका निराकरण किया जा सके। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर ईवीएम और वीवीपैट मशीन की कार्यप्रणाली के बारे में उनकी समझ को भी परखा।

नागौर जिले में मतदान सम्पन्न

नागौर, (निसं.)। लोकसभा आम चुनाव में मतदान दिवस पर शुक्रवार को सभी मतदान केन्द्रों पर वृद्ध, महिलाओं एवं युवा मतदाताओं में लोकतंत्र के महापर्व को लेकर उत्साह देखा गया। प्रातःकाल से मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतार देखी गई, जिला प्रशासन द्वारा बनाये गये आदर्श मतदान केन्द्रों, ग्रीन बूथों, महिला, दिव्यांग एवं यूथ प्रबन्धित केन्द्रों पर मतदाता सज-धज कर मतदान करने आये।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अरूण कुमार पुरोहित तथा जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस के निर्देशन में जिलेभर में किये गये पुख्ता प्रबंधन के चलते चुनावी कार्यो के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न करवाया। सभी जगह मतदाताओं ने स्वतंत्र एवं निर्भीक होकर मताधिकार का प्रयोग किया। संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभा क्षेत्रों में 6 बजे तक मतदान अनुमानित 56.71 प्रतिशत रहा। सबसे अधिक मतदान मकराना विधानसभा क्षेत्र में 59.91 प्रतिशत, सबसे कम लाडनूं विधानसभा क्षेत्र में 53.24 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र नागौर में 59.36 प्रतिशत, खींवसर में 58.50 प्रतिशत, नावां में 58.34, डीडवाना में 55.54 प्रतिशत, जायल में 54.87 प्रतिशत तथा परबतसर में 53.51 प्रतिशत मतदान रहा। सायं काल मौसम में ठंडक होने पर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतारें देखी गई। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने सेठ किशनलाल कांकरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये यूनिक बूथ पर वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने मतदाताओं को निर्भीक होकर मतदान करने की अपील करते हुए लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। लोकतंत्र के महापर्व में वृद्ध महिलाओं, युवाओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। प्रातःकाल के समय से ही मतदान केन्द्रों पर हर आयुवर्ग के मतदाता पहुँचेजिले के विभिन्न ग्रीन, यूथ, दिव्यांग मैनेजड मतदान बूथों पर बड़े ही उत्साह के साथ पहुंचे वृद्धजनों, फर्स्ट वोटर, दिव्यांगजन एवं महिला मतदाताओं ने मतदान करने के साथ ही बड़ी ही खुशी से सेल्फी पॉइन्ट पर अमिट स्याही का निशान दिखाते हुए सेल्फी भी खिंचवाई।

गणगौर की बोलावाणी आयोजित

ईसर जी गणगौर माता की बोलावाणी (मंगल फेरे) महादेव जी की छतरी पर हुई।

ब्यावर, (निसं)। श्री माधोपुरिया मोहल्ला गणगौर समिति के तत्वाधान में ईसर जी गणगौर माता की बोलावाणी (मंगल फेरे) महादेव जी की छतरी पर हुई। महेंद्र सलेमाबादी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुप्रसिद्ध बैंड की मधुर धुनों के बीच माता रिद्धि सिद्धि, शेषनाग, बाल रूप गणगौर सवारी,दुर्गा माता, माता लक्ष्मी जी, हनुमान जी,गजराज व मयूर कृति ढोल की मधुर थापो व विभिन कार्यक्रमों के बीच सवारी निकलेगी व इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियां व विभिन्न प्रकार के फूल बाहर से मंगवाए गए हैं जिनसे मंगल फेरो में पुष्प वर्षा की जाएगी। डॉ. महेंद्र गर्ग ने बताया अग्रसेन बाजार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र शिव तांडव व महारास की झांकी होगी। श्याम सुंदर लोहिया ने बताया पूरे बाजार को सतरंगी रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया गया है व म्यूजिक सिस्टम लगाया गया। आज मेहंदी का कार्यक्रम भी किया गया जिसमें अजय सराफ, सतीश सराफ, जगदीश सोलीवाल, ओम प्रकाश लोहिया, तिलक बाबेल, गौरव गर्ग, निशांत मंगल, सौरभ जयपाल, डोनेस शर्मा, जसवंत बबल, गोविंद गोयल, श्याम सुंदर जिंदल,मनीष, संजय जिंदल, नितेश गोयल, सुरेश वैष्णव, किशन गोपाल अरोड़ा, रेखा जिंदल, अमित मंगल, प्रियंका, अंजलि, कोमल, वैजयंती, अर्पिता, रितु, करुणा अग्रवाल, राजकुमारी, मधु जयपाल, ममता लोहिया, लता सिंघल,सहित गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही है।

'कामदा एकादशी का व्रत करने से फल मिलता है'

अजमेर, (कासं)। प्राचीन सिन्धी शिव मन्दिर सेवा ट्रस्ट गंज,व्यापारिक ऐसोसिएशन गंज अजमेर व पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के तत्वावधान में मन्दिर परिसर में पण्डित दामोदर दाधीच की मण्डली के द्वारा कामदा एकादशी की कथा का श्रवण करवाकर महत्व बताते हुए पण्डित दामोदर दाधीच ने बताया कि इस दिन विधी विधान से पूजन करने में भगवान विष्णु प्रसन्न होते है और समस्त प्रकार के पापो नष्ट होते है।

पण्डित दामोदर दाधीच एवं उनकी मण्डली के द्वारा विशेष पूजन महाआरती करवाकर मन्दिर में स्थापित देवताओं, श्री गणेश भगवान,दर्गा माता,शिव परिवार, पूज्य झूलेलाल साहिब और अन्य की प्रतिमाओं को प्रसाद का भोग लगवाकर श्रद्वालुओ में वितरित किया गया।महासचिव रमेश लालवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि मन्दिर के अध्यक्ष भागचन्द दौलतानी और कार्यकारी अध्यक्ष ताराचन्द लालवानी के नेतृत्व में शुक्रवार को कामदा एकादशी के अवसर पर व्रत धारण करवाकर और श्री विष्णु भगवान के पूजन की कथा का श्रवण करवाया गया।

प्रबुद्ध देव भक्तो की मीटिंग आयोजित, तीन जिलों में भाजपा प्रत्याशी को देंगे समर्थन

मालासेरी डूंगरी पर भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ और अजमेर के प्रबुद्ध देव भक्तों की मीटिंग हुई।

आसींद, (निसं)। शुक्रवार को भगवान श्री देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी पर भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ और अजमेर के प्रबुद्ध देव भक्तों की मीटिंग हुई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी से जुड़े पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं गुर्जर समाज के संगठन से जुड़े कई लोग शामिल हुए। वही इस मीटिंग में शामिल हुए भारतीय जनता पार्टी के भीलवाड़ा लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने कहा कि मैं आपका ता उम्र आप सभी देव भक्तों का ऋणी रहूंगा।

इस मौके पर उपस्थित प्रबुद्ध जनों को संबोधित करते हुए मालासेरी मंदिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने कहा कि भगवान श्री देवनारायण के 1111 वे जन्मोत्सव के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां पर देव भक्त के रूप में दर्शन के लिए आए थे, यहां पर उन्होंने गुर्जर समाज के गौरवशाली इतिहास का बखान किया।पीएम मोदी के मालासेरी डूंगरी पर आने के बाद मालासेरी डूंगरी की ख्याति देश विदेश में फैल गई है, केंद्र सरकार ने मालासेरी तीर्थ स्थल को प्रसाद योजना के तहत जोड़ा अभी यहां पर करोड़ों रुपए के विकास कार्य होंगे।

इसीलिए हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए उनके द्वारा जो भी भाजपा प्रत्याशी बनाए गए हैं उन सभी को हम समर्थन देते हैं। वहीं एडवोकेट अतर सिंह गुर्जर ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी जी मालासेरी डूंगरी में आए और हमारी इस डूंगरी की को देश प्रदेशों में पहचान मिली। इस मौके पर मालासेरी मंदिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल, महंत कैलाश दास, बीजेपी प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल, भाजपा विधायक जब्बर सिंह सांखला आसींद नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू , एडवोकेट तेजवीर सिंह चुंडावत , शिवराज अरोड़ा ,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली,पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष फौजमल गुर्जर, पूर्व जिला न्यायाधीश किशन गुर्जर, एडवोकेट शिवकुमार धबाई, नीरज गुर्जर, एडवोकेट संजय गुर्जर, भगवान सिंह पोसवाल,कैलाश गुर्जर विजयनगर, जिला परिषद सदस्य सत्यनारायण गुर्जर, केकड़ी के पृथ्वीराज गुर्जर, सरपंच मेवाराम, ज्ञान सिंह गुर्जर,जयदेव चाड़, घासीलाल, देवसेना युवा जिला अध्यक्ष भेरूलाल गाडरी,सुख नाथ मनफुल जाट, गुलाब रेबारी, सूखा नाथ,सुरेश लावड़ा, जैतारण के बाबूलाल विकास खटाना ललित खटाना,सुखदेव पोसवाल, रामकुमार गुर्जर, किशनगढ़ के ज्ञान सिंह गुर्जर , पाली गुर्जर समाज के अध्यक्ष बाबूलाल पोसवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

मयंक यादव लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं। जहां वो अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से विपक्षी टीमों के बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। साथ ही सभी को अपनी गेंदबाजी से प्रभावित भी कर रहे हैं।

-जहीर खान

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, मयंक यादव की गेंदबाजी प्रदर्शन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जेसन गिलेस्पी

ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी आज (19 अप्रैल) 49 साल के हो गए। गिलेस्पी अपने दौर के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक थे। दाएं हाथ के फास्ट बॉलर गिलेस्पी ने उस दौर में ज्यादातार मुकाबले खेले, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम का विश्व क्रिकेट में दबदबा था. गिलेस्पी, ग्लेन मैक्ग्रा और ब्रेट ली की तिकड़ी ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को कई मुकाबले जिताए। जेसन गिलेस्पी वैसे तो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज थे, लेकिन एक उनके नाम पर बल्लेबाजी में एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज है। गिलेस्पी ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसका टूटना लगभग नामुमकिन है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

12 भारतीय निशानेबाज ओलंपिक कोटे के लिए दोहा में करेंगे स्पर्धा

दोहा, 19 अप्रेल। भारत के 12 निशानेबाज शुक्रवार से शुरु हुई आईएसएसएफ फाइनल ओलंपिक क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक को कोटा हासिल करने के लिए स्पर्धा करेंगे। इस स्पर्धा में टोक्यो ओलंपियन मैराज अहमद खान और अंगदवीर सिंह बाजवा, जो पूर्व एशियाई चैंपियन भी हैं, शीराज शेख के साथ पुरुषों की स्कीट में भारत की चुनौती का सामना करेंगे। महिलाओं की स्पर्धा में गनेमत सेखों पर सबकी निगाहें होंगी। अनुभवी विवान कपूर, ज़ोरावर सिंह संधू और पृथ्वीराज टोंडिमन पुरुषों के ट्रैप में तीनों ओर से एक मजबूत चुनौती पेश करेंगे। मनीषा कीर और श्रेयसी सिंह से महिलाओं स्पर्धा में भारत को उम्मीद है। इस स्पर्धा में भारत प्रत्येक वर्ग में तीन निशानेबाज उतारेगा। प्रत्येक व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष दो निशानेबाज (प्रति देश अधिकतम एक), बशर्ते वे पात्र हों और उनके संबंधित देशों ने स्पर्धा के लिए अपना पूरा आवंटन सुरक्षित नहीं किया हो, दोहा से कोटा सुरक्षित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत के निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता (पुरुष ट्रैप), राजेश्वरी कुमारी (महिला ट्रैप), रायजा ढिल्लों (महिला स्कीट) और अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) को ओलंपिक कोटा हासिल है। प्रत्येक देश हर श्रेणी में अधिकतम दो कोटा प्राप्त कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर ने गर्लफ्रेंड मोनिका से की सगाई

ऑस्ट्रेलियाई, 19 अप्रेल। ऑस्ट्रेलियाई स्टार ऑलराउंडर एशले गार्डनर ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड मोनिका से सगाई कर ली है। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रही थीं। गार्डनर ने सोशल मीडिया पर सगाई की जानकारी देकर फैंस को चौंका दिया। एशले गार्डनर महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स की तरफ से खेलती हैं। वहीं एशले गार्डनर ने सगाई की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मिसेज गार्डनर के पास खूबसूरत अंगूठी है। दाएं हाथ की बल्लेबाज और दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर गार्डनर महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में न्यू साउथ वेल्स के लिए, महिला बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए और महिला प्रीमियर लीग गुजरात जायंट्स के लिए खेलती हैं। हाल ही में एशले गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। बता दें कि, एशले गार्डनर मोनिका के साथ साल 2021 से रिलेशनशिप में थीं। साल 2023 टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद एशले गार्डनर ने मोनिका के साथ शादी की घोषणा की थी। वहीं एशले गार्डनर के करियर की बात करें तो, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 6 टेस्ट मैच में 281 रन के साथ 23 विकेट लिए हैं। वहीं 69 वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच में 973 रन बनाने के साथ 89 विकेट अपने नाम कर चुकी हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 88 मैच खेले हैं। इस दौरान 68 विकेट और 1329 रन नबनए हैं ।

सीन नदी पर पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह चार घंटे तक चलेगा

पेरिस, 19 अप्रेल। सीन नदी पर सूर्यास्त और चांद की चांदनी के साथ पेरिस ओलंपिक का भव्य उद्घाटन समारोह लगभग चार घंटे तक चलेगा। कुल 205 देशों और क्षेत्रों का प्रतिनिधिमंडल सीन नदी पर 80 से अधिक नावों पर परेड करेंगे। यह समारोह धीरे-धीरे पूर्व से पश्चिम की ओर, पुल से पुल तक, पोंट डी ऑस्टरलिट्ज़ से पोंट डी आइना तक छह किलोमीटर (3.7 मील) की दूरी तय करेगा। कार्यक्रम स्थानीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। एथलीटों की परेड से पहले कलात्मक प्रदर्शन होगा। एथलीट तट पर सुरक्षा घेरे के पीछे मौजूद लगभग 320,000 प्रशंसकों के सामने से गुजरेंगे। अन्य लोग महत्वाकांक्षी समारोह को विशाल स्क्रीनों पर देखेंगे। पेरिस खेलों की समारोह निदेशक मैरी-कैथरीन एटोरी ने गुरुवार को एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, ''एक शाम के लिए सीन को एक विशाल खुले समारोह में बदल दिया जाएगा।

दिल्ली के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की चुनौती

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। मैदान के भीतर और बाहर विषमताओं के बीच अपने अपार जीवन का परिचय देने वाले ऋषभ पंत शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को जब दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिये अरूण जेटली स्टेडियम पर उतरेंगे तो उनके लिये यह बेहद भावुक पल होगा। पिछले साल पंत इस मैदान पर बैसाखियों के सहारे चलते नजर आये थे लेकिन उन्होंने 2022 के जानलेवा कार हादसे के बाद एक विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल के इस सत्र में शानदार वापसी की है। दिल्ली ने अब तक मिला जुला प्रदर्शन किया है हालांकि लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस को हराकर वे दौड़ में बने हुए हैं। अब तक सात मैचों में से दिल्ली ने तीन जीते और चार हारे हैं। आईपीएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज सनराइजर्स की टीम दो बार टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर (तीन विकेट पर 277 रन और तीन विकेट पर 287 रन) बना चुकी है। ऐसे में कप्तान पंत को कोटला की घरेलू पिच पर अपने संसाधनों का चतुराई से इस्तेमाल करना होगा। सनराइजर्स के ट्रेविस हेड (235 रन) 39 मैच में शतक जड़ने का कारनामा कर चुके हैं। वहीं अभिषेक शर्मा ने भी 211 रन बना लिये हैं। दोनों पावरप्ले में आक्रामक प्रदर्शन करने को बेताब होंगे। दोनों का स्ट्राइक रेट 199 और 197 रहा है जो ईशांत शर्मा, खलील अहमद और मुकेश कुमार की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिये कड़ी चुनौती होगा। वहीं हेनरिच क्लासेन का भी स्ट्राइक रेट 199 के करीब रहा है और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर्स में से एक हैं।

राहुल और डी कॉक के आगे पस्त हुए चेन्नई के गेंदबाज

लखनऊ ने चौथी दर्ज की, चेन्नई को 8 विकेट से हराया

राहुल और डी कॉक ने अर्द्धशतक जड़े, चेन्नई के जडेजा ने 57 रन की साहसिक पारी खेली

लखनऊ, 20 अप्रेल। लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में चौथी जीत हासिल कर ली है। टीम ने अपने होर्मेग्राउंड पर चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया। मौजूदा सीजन में यह लखनऊ की लगातार दो हार के बाद पहली जीत है, जबकि चेन्नई लगातार दो मैच जीतने के बाद हार मिली है। लखनऊ में होस्ट टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन बनाए। 177 रन का टारगेट लखनऊ ने 19 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। निकोलस पूरन 23 और मार्कस स्टोयनिस 8 रन बनाकर नाबाद रहे।

कप्तान केएल राहुल ने 53 बॉल पर 82 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि क्विंटन डी कॉक ने 54 रन का योगदान दिया। दोनों के बीच 134 रन की शतकीय साझेदारी हुई। से मुस्तफिजुर रहमान को एक विकेट मिला।

की ओर से रवींद्र जडेजा ने 40 बॉल पर नाबाद 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि अजिंक्य रहाणे ने 36 रन का योगदान दिया। पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने 2 चौके और 2 छक्के के सहारे 9 बॉल पर नाबाद 28 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या को 2 विकेट मिले। मोहसिन खान, यश ठाकुर और मार्कस स्टोयनिस को एक-एक विकेट मिला।

दूसरे छोर पर हरफनमौला रविंद्र जडेजा की साहसिक नाबाद पारी ने न सिर्फ चेन्नई को मुश्किलों के भंवर से निकाला बल्कि मैदान पर बैठे एलएसजी के समर्थकों की भी खूब वाहवाही लूटी। आईपीएल के मौजूदा सत्र में जडेजा की यह पहली अर्धशतकीय पारी थी जिसमे उन्होने 76 मिनट क्रीज पर रुक कर 40 गेंदों में पांच चौके और एक जानदार छक्के की मदद से नाबाद 57 रन बनाये।

इससे पहले टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही जब रचिन रविंद्र (0) पारी के दूसरे ओवर में ही मोहसिन खान का शिकार बन गये। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (17) भी यश ठाकुर की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये। हालांकि सलामी बल्लेबाज आंजिक्य रहाणे (36) का बल्ला इकाना की पिच पर चल निकला। उन्होने 24 गेंदों की अपनी संक्षिप्त पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा।

दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को बड़ा झटका

ओलंपिक क्वालीफायर खेलने की अनुमति नहीं

दुबई, 19 अप्रेल। टोक्यो ओलंपिक में पदक से चूकने वाले दीपक पूनिया का पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। दरअसल, दीपक और उनके साथ सुजीत कलकत को शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 को एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई है।

इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, दोनों पहलवानों शुक्रवार सुबह 8 बजे के बाद मेजबान शहर बिश्केक पहुंचे। हालांकि, इससे पहले ही वेट इन यानी पहलवानों को अपने शरीर के वजन को रिकॉर्ड करना होता है और दिखना होता है कि वे मानदंडों को पूरा करते हैं। पहले ही शुरू हो चुका था। इस कारण आयोजकों ने दोनों को प्रतियोगिता में अनुमति देने से इनकार कर दिया। भारत का क्वालिफिकेशन अभियान शुक्रवार से शुरू हो गया है, जिसमें 19 अप्रैल 2024 को पुरुषों की फ्रीस्टाइल बाउटें होनी हैं। दीपक पूनिया की गैरमौजूदगी में युवा 57 किग्रा वर्ग के स्टार अमन सहरावत पुरुष टीम को नेतृत्व करेंगे। बता दें कि, दीपक पुनिया और सुजीत कलकल अपने कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ मंगलवार 16 अप्रैल से दुबई हवाई अड्डे में फंसे हुए थे।

बता दें कि, दुबई में हुई रिकॉर्ड बारिश के कारण हवाई अड्डे पर परिचालन गंभीर रूप से बाधित हुआ। इसी के चलते भारतीय पहलवान भी दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुए थे। यूएई सरकार के अनुसार देश में 75 सालों में ये सबसे अधिक बारिश हुई।

गुकेश को फिर संयुक्त बढ़त, प्रज्ञानानंदा और गुजराती दौड़ से बाहर

अमेरिका, 19 अप्रेल। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अजरबैजान के निजात अबासोव को हराकर कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढत बना ली लेकिन आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती 12वें दौर के बाद दौड़ से बाहर हो गए। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोज अलीरजा को हराया।

गुकेश और नकामूरा अब रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ शीर्ष पर है जिन्होंने प्रज्ञानानंदा से ड्रॉ खेला। इन तीनों के 7.5 अंक हैं जबकि अमेरिका के फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा छह अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि गुजराती के पांच अंक है। आठ खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के दो दौर बाकी हैं और उनके लिये शीर्ष तीन में जगह बनाना नामुमकिन है। अलीरजा और अबासोव के 4.5 अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा से ड्रॉ खेला।

रूस की कैटरीना लागनो ने चीन की टी लेइ को ड्रॉ पर रोका। भारत की कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंड्रा गारियाश्किना से ड्रॉ खेला जबकि आर वैशाली ने यूक्रेन की अन्ना एम को हराया। तान के आठ अंक है और लेइ उनसे आधा अंक पीछे हैं। हम्पी, लागनो और गोरियाश्किना छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। वैशाली 5.5 अंक के साथ छठे स्थान पर है। सत्रह वर्ष के गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1959 में बॉबी फिशर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे जिन्होंने यह टूर्नामेंट खेला।

मेघा प्रदीप ने एशियाई नौकायन चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

टोक्यो, 19 अप्रेल। भारत की मेघा प्रदीप ने शुक्रवार को एशियाई कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप 2024 में महिलाओं की सी1 500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। जापान के टोक्यों में आयोजित चैंपियनशिप में मेघा प्रदीप ने 2:28.027 का समय लेकर तीसरा स्थान पर रही। वियतनाम की डीप थू हुआंग (02:18.178) और कजाकिस्तान की उलियाना किसेलेवा (02:26.645) ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीते।

अन्य स्पर्धा में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता अर्जुन सिंह और सुनील सिंह सलाम पुरुषों के सी2 - 500 मीटर फाइनल में छठे स्थान पर रहे और पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा प्राप्त करने से चूक गए।

अर्जुन और सुनील ने नौकायन स्पर्धा में 1:49.237 समय में पूरी की। वह इस स्पर्धा को जीतने वाले कजाकिस्तान के सर्गेई येमल्यानोव और तिमुर खैदारोव से 5.024 सेकंड पीछे रहे। सर्गेई येमल्यानोव और तिमुर खैदारोव ने 1:44.213 समय में स्पर्धा जीती।

महिलाओं की के2 500 मीटर स्पर्धा में पार्वती गीता और सोनिया देवी फिरेम्बम ने 2:04.807 का समय के साथ आठवें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा को चीन की शिमेंग यू और यूल चेन की जोड़ी ने जीता। पुरुषों की के2 500 मीटर ओलंपिक वर्ग स्पर्धा में रिम्सन मैरेम्बम और हर्षवर्धन सिंह शक्तावत सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

भारत की नेहा देवी लीचोनबाम और कावेरी ने महिलाओं के सी2 500मीटर फाइनल में प्रतिस्पर्धा की लेकिन अयोग्य घोषित कर दिया गईं। नाओचा सिंह लैटनजाम ने पुरुषों की के1 200 मीटर गैर-ओलंपिक श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की, लेकिन फाइनल में जगह नहीं बना सके। भारतीय दल के वरिंदर सिंह (पुरुषों की के1 1000 मीटर) और ज्ञानेश्वर सिंह फिलम (पुरुषों की सी1 1000 मीटर) स्पर्धा में शनिवार को अपनी स्पर्धा करेंगे। फाइनल रविवार को खेला है। प्रोहित बरोई और पार्वती गीता शनिवार को गैर-ओलंपिक मिश्रित के2 500 मीटर फाइनल में हिस्सा लेंगे।

शाहीन और मेरे बीच भी अच्छी बॉन्डिंग है : बाबर आजम

शाहीन अफरीदी को कप्तानी से हटाए जाने पर बाबर आजम ने तोड़ी चुप्पी

पाकिस्तान, 19 अप्रेल। पाकिस्तान क्रिकेट टीम मौजूदा समय में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है। वहीं इस सीरीज में पाकिस्तान की कमान बाबर आजम के हाथों में है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले बाबर आजम ने शाहीन अफरीदी को टी20 टीम की कप्तान से जुड़े विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ किया कि शाहीन की जगह उनके कप्तान बनने से टीम में किसी तरह का कोई मनमुटाव नहीं है। शाहीन और मेरे बीच भी अच्छी बॉन्डिंग है।

बता दें कि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में शाहीन अफरीदी को टी20 की कप्तानी से हटा दिया था। उनके स्थान पर दोबारा बाबर को टीम की कमान सौंपी गई है। बाबर को भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद वनडे और टी20 की कप्तानी गंवानी पड़ी थी। इसके बाद उन्होंने टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ दी थी। उनके स्थान पर टेस्ट में शान मसूद को जिम्मेदारी सौंपी गई थी जबकि टी20 में शाहीन अफरीदी कप्तान बनाए गए थे। लेकिन, इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड दौरे पर एक टी20 सीरीज के लिए कमान संभालने के बाद शाहीन की भी कप्तान से छुट्टी हो गई। न्यूजीलैंड दौरे पर पाकिस्तान को 5 मैच की सीरीज गंवानी पड़ी थी।

वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 से पहले कहा कि, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि शाहीन और मेरा बंधन हाल का नहीं है ये बहुत पुराना है। हम हर स्थिति में एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। हमारा उद्देश्य पाकिस्तान को पहले स्थान पर रखना है और पाकिस्तान का नाम रोशन कैसे करना है।

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

बार्सिलोना, 19 अप्रेल। नॉर्वे के स्टार टेनिस खिलाड़ी कैस्पर रूड ने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को 6-1, 6-4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये है। रूड की सीजन की यह 26वीं जीत है। इसके साथ ही रूड 2024 में सबसे अधिक टूर-स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए है। रूड ने शुरुआत में ही शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए 5-0 की बढ़त बनाई। उन्होंने दूसरे सेट के सातवें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल करने से पहले शुरुआती सेट का समापन किया और एक घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की। रूड का क्वार्टरफाइनल मुकाबले में माटेओ अर्नाल्डी से भिड़ेंगे।

विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के लिये ग्रेस नींव तैयार कर रहा है हॉकी इंडिया : भरत छेत्री

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। भारत के पूर्व गोलकीपर भरत छेत्री ने जमीनी स्तर पर ड्रैग फ्लिकरों और गोलकीपरों को तैयार करने पर जोर देने के लिये शुक्रवार को हॉकी इंडिया की तारीफ की। छेत्री समेत भारत के पूर्व गोलकीपर और ड्रैग फ्लिकर देश भर में राष्ट्रीय अकादमियों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का संचालन करेंगे। इनमें एड्रियन डिसूजा, योगिता बाली, हेलेन मेरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकते और पीटी राव शामिल हैं। वहीं ड्रैग फ्लिकरों में रूपिंदर पाल सिंह, गुरजिंदर सिंह, वी आर रघुनाथ और जसप्रीत कौर का चयन किया गया है। छेत्री ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''भारतीय हॉकी के भविष्य के लिये जमीनी स्तर पर निवेश बहुत जरूरी है। गोलकीपरों और ड्रैग फ्लिकरों के लिये विशेष ट्रेनिंग के जरिये हॉकी इंडिया इन भूमिकाओं के लिये विश्व स्तरीय प्रतिभाओं के उदय होने की ग्रेस नींव तैयार कर रहा है।'' हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग की भी शुरूआत कर रहा है जिसका पहला चरण 30 अप्रैल से नौ मई तक रांची में खेला जायेगा। इसके बारे में छेत्री ने कहा ,'' यह भारतीय खेलों के लिये अहम पल है।

पीएम ने अमरोहा में सभा के दौरान शमी की तारीफ की

अमरोहा, 19 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरोहा में चुनावी रैली के दौरान भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को याद किया जो घुटने की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर हैं। लोकसभा चुनाव में अमरोहा में भाजपा के करन सिंह तंवर का मुकाबला कांग्रेस गठबंधन के दानिश अली से है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को अमरोहा की रैली में कहा, क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाई मोहम्मद शमी ने जो कमाल किया, वह पूरी दुनिया ने देखा हैं। खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिये केंद्र सरकार ने भाई मोहम्मद शमी को अर्जुन पुरस्कार दिया हैं। गौरतलब हैं कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अमरोहा के ही रहने वाले हैं। पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने सर्वाधिक 24 विकेट लिये थे।

रोहित के बाद जहीर ने भी उठाए नियम पर सवाल

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नजरिए से सहमति जताते हुए पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने गुरुवार को आईपीएल में 'इंपेक्ट प्लेयर' नियम पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे 'कामचलाऊ ऑलराउंडर' तैयार हो रहे हैं। 'इंपेक्ट प्लेयर' नियम 2023 सत्र से लागू किया गया जिसमें सभी आईपीएल टीम को मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की स्वीकृति होती है। विशेषज्ञों ने तर्क दिया है कि यह नियम एक ऑलराउंडर की भूमिका को कमतर करता है। शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी को उनकी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने केवल पावर हिटर के रूप में इस्तेमाल किया है। दुबे मध्यम गति के गेंदबाज भी हैं और टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के विकल्प के लिए दावेदार हैं लेकिन उन्हें गेंद से अपनी प्रतिभा दिखाने का बामुश्किल मौका मिल रहा है। जहीर ने 'जियो सिनेमा' द्वारा आयोजित ऑनलाइन बातचीत में कहा, ''मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि यह बहस का मुद्दा है, थोड़ी चिंता जरूर है। लेकिन हमें इससे निपटने का तरीका ढूंढने की जरूरत है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम में आपको कामचलाऊ ऑलराउंडर मिलेंगे।'' विश्व कप 2011 में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले जहीर का मानना है कि मोहम्मद सिराज को टी20 विश्व कप टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ आना चाहिए। उन्हें साथ ही लगता है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी टीम का हिस्सा होना चाहिए। इस 45 वर्षीय बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, ''टीम का चयन अब भी दो सप्ताह दूर है लेकिन अर्शदीप एक गंभीर दावेदार है और चयनकर्ता उस पर नजर रख रहे हैं। खलील अहमद, मोहसिन खान और यश दयाल पर भी नजरें रहेंगी।'' उन्होंने कहा, ''सिराज बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कभी-कभी यह प्रारूप के बारे में होता है। लेकिन वह वापसी करने के लिए सक्षम हैं। मुझे लगता है कि उन्हें टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए।'' टी20 विश्व कप में विकेटकीपिंग की भूमिका कौन निभाएगा, इस सवाल में जवाब में जहीर ने कहा, ''मैं उनकी (ऋषभ पंत की) प्रगति से खुश हूं। मुझे यकीन नहीं था कि आईपीएल से पहले इतने लंबे ब्रेक के बाद वह कैसा प्रदर्शन करेंगे। लेकिन पिछले छह-सात मैचों में उनकी प्रगति, उनका नेतृत्व कौशल और विकेटकीपिंग सभी पहलुओं में सफल रही।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को जोधपुर में भाजपा कार्यकताओं की बैठक में शामिल हुए। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका दुपट्टा ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट करके बहुत जोश एवं उत्साह के साथ स्वागत किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक अतुल भंसली सहित कई नेता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक ली

मु.मंत्री ने कहा कि, राजस्थान में भाजपा हैटट्रिक करने वाली है। वर्ष 2014 में 25 सीटें थीं, 2019 में भी 25 सीटें थीं, इस बार और ज्यादा बहुमत से भाजपा 25 सीटें जीतेगी

- **जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर स्थानीय भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।**

जोधपुर, 19 अप्रेल (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि, जिस तरह से लोगों में लोकसभा चुनाव को लेकर उत्साह और उमंग है उससे लगता है कि इस बार फिर से राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में हैट्रिक लगाएगी।

जोधपुर में आई.टी.आई. सर्किल रोड स्थित एक होटल में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज जिस तरह से लोगों में उत्साह एवं उमंग है उससे यह सुनिश्चित है कि राजस्थान के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार बहुत बड़े बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बनाएंगे।

उन्होंने कहा, 2014 में भी 25 सीटें थीं, 2019 में भी 25 थीं और 2024 में भी बहुत बड़े बहुमत के साथ 25 सीटें आने वाली हैं। पानी के मुद्दे पर भजनलाल ने कहा कि, यह वर्ष पानी के लिए लिया है। जितनी भी लंबित योजनाएं हैं उन सभी योजनाओं को मूर्त रूप देने का काम करेंगे। इस साल ई.आर.सी.पी. योजना, यमुना जल समझौता, हिमाचल से पानी आगे लाना, पंजाब से आने वाली 15 किलोमीटर लंबी नहर, जो कि कच्ची है उसे पूरा करना, वह कार्य भी होगा। साथ ही नर्मदा को भी आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, पानी के लिए राजस्थान के जो स्रोत हैं उनको भी बढ़ाया जाएगा। राजस्थान में सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। हमारे लिए पहला मुद्दा पानी है फिर बिजली। बिजली में भी हम राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि, पानी बिजली सभी को मिलेगी फिर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि उद्योग धंधे बढ़ सकें। जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के साथ राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, शहर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र सालेच, प्रवक्ता जगदीश धाणदिया सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे।

जो काम गहलोत ने मु.मंत्री रहते नहीं किया, वैभव वही काम करने की बात कर रहे हैं

जनता में एक ही सवाल चल रहा है, आखिर भरोसा कैसे करें

- **गहलोत भी कहीं ना कहीं यह बात समझ रहे हैं, इसलिए प्रदेश की सिर्फ इसी सीट पर उनका सारा फोकस है।**
- **गहलोत ने अपने सभी समर्थक नेताओं को इसी सीट पर लगा रखा है।**
- **लेकिन गहलोत जिस तरह से सचिन पायलट को वैभव के प्रचार अभियान से दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं, वो कहीं वैभव की हार का कारण न बन जाए।**
- **हालांकि पायलट ने साफ कहा था कि, वे वैभव के प्रचार के लिए जालोर जाएंगे, पर वैभव की नामांकन सभा और जालोर में प्रियंका गांधी की सभा से जानबूझ कर पायलट को दूर रखा गया।**
- **चर्चा है कि, गहलोत नहीं चाहते कि, उनके बेटे की जीत, अगर होती है तो, का थोड़ा सा भी श्रेय सचिन पायलट को मिले, चाहे इसका खामियाजा वैभव की हार ही क्यों ना हो।**

जालोर, 19 अप्रेल (कासं)। जालोर सिरोही लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने वचन पत्र जारी किया। वचन पत्र में क्षेत्र की ऐसी कई समस्याओं को दूर करने का वचन दिया गया है जिनका समाधान मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अशोक गहलोत कर सकते थे पर उन्होंने नहीं किया। अब उन समस्याओं का समाधान करने का वचन उनके पुत्र वैभव क्षेत्र के लोगो दे रहे हैं। इसलिए जनता वैभव गहलोत पर भरोसा नहीं कर पा रही है और गहलोत भी यह बात समझ रहे हैं तभी तो उनका पूरा फोकस इसी सीट पर है और पूरे प्रदेश की नज़रें भी इस सीट पर हैं।

जालोर के स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री से जवाई पुर्नभरण को लेकर व जवाई बांध के पानी का हक तय करने को लेकर कई बार कहा। लेकिन अभी तक समाधान हुआ। वही रोहट मार्ग, नेशनल हाईवे से जोड़ने, माही परियोजना आदि कार्य गहलोत के कार्यकाल में पूर्ण हो सकते थे। लेकिन उन्होंने नही किये, अब उनका पुत्र वचन पत्र के माध्यम से वचन दे रहे है कि जीते तो ये काम करेंगे लोगों में ऐसी चर्चा है कि मुख्यमंत्री रहते गहलोत यह कार्य पूर्ण नही कर सके तो अब तो उनकी सरकार भी नही है, अब उनका पुत्र उक्त कार्यो का वचन कैसे दे सकता है। वैभव का वचन पत्र भी लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जालोर- सिरोही लोकसभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। गहलोत स्वयं ब्लॉक स्तर की बैठके ले रहे हैं और कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर पूरा जोर लगा रहे हैं। गहलोत के नज़दीकी व खास नेता भी वैभव को जिताने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

लेकिन जालोर- सिरोही सीट पर सचिन पायलट का प्रचार के लिए नही आना चर्चा का विषय बना रहा। कुछ दिन पूर्व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सभा को सम्बोधित करने पहुंची। सभा में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा सहित अन्य गहलोत के मंत्रिमण्डल के कई मंत्री पहुंचे। लेकिन पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सभा में नही पहुंचे। चर्चा है कि गहलोत जालोर- सिरोही सीट से सचिन पायलट को दूर रखने का प्रयास कर रहे हैं। वैभव की नामांकन सभा में सचिन आने की भी संभावना थी। लेकिन सचिन के घोर विरोधी नेता नामांकन रैली में थे इसलिए सचिन नहीं आए। सचिन पायलट पहले ही कह चुके हैं कि वे वैभव का प्रचार करने जालोर आएंगे। लेकिन नामांकन सभा व प्रियंका गांधी की सभा में सचिन की उपस्थिति दर्ज नही होना यही बताता है कि गहलोत नहीं चाहते कि सचिन पायलट जालोर -सिरोही आएं और वैभव गहलोत का प्रचार करें।

सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत स्वयं सचिन से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। गहलोत को डर है कि सचिन के आने से उनके पुत्र वैभव का चुनावी गणित कहीं उलट न जाए। यही नहीं वे वैभव के चुनाव में सचिन पायलट को कोई श्रेय नहीं देना चाहते हैं। एक साक्षात्कार में कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने भी किसी का भी नाम लिये बिना ही कहा कि वर्ष 2014 में उन्हें टोंक सवाईमाधोपुर या जालोर सिरोही से टिकट मिलने वाला था। लेकिन उनके विरोधियों ने उनका टिकट कटवा दिया था। समझा जाता है कि वैभव का इशारा पायलट की तरफ था।

शिक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईडी को जांच में पता चला कि इन आरोपियों की आरपीएससी की ओर से दिसंबर, 2022 में आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने में भूमिका है। ईडी ने पूर्व में आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी थी। जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड बरामद हुए थे। इसके साथ ही ईडी ने अन्य आरोपी बाबूलाल कटारा और अनिल मीणा सहित अन्य की अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से कुर्क किया था।

पहले चरण में 62.37 फीसदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल और मणिपुर में छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़कर देश भर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई। लोकसभा के पहले चरण के साथ - साथ अरुणाचल प्रदेश विधानसभा की सभी 60 और सिक्किम विधानसभा की सभी 32 सीटों के चुनाव भी संपन्न हो गये हैं। पहले चरण में कुल 102 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल पंजीकृत 16.63 करोड़ मतदाताओं में से शुक्रवार को 62.37 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। दूरदराज के इलाकों के निर्वाचन केन्द्रों का मतदान आंकड़ा बढ सकता है। आयोग ने आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बहुत से मतदान केन्द्रों पर मतदान का समाप्त होने का समय समाप्त होने पर भी मतदाता कतारों में खड़े थे। निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण में त्रिपुरा में वोट डालने वाले मतदाताओं का अनुपात सर्वाधिक 80.17 प्रतिशत रहा, जबकि बिहार में सबसे कम 48.50 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने निकले। आयोग द्वारा जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा की एक सीट पर 80.17 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में तीन सीटों पर 77.57 प्रतिशत, मणिपुर में दो सीटों पर 69.13 प्रतिशत, मेघालय में दो सीटों पर 74.21 प्रतिशत और असम में पांच सीटों पर 72.10 प्रतिशत वोट पड़े थे।

पुडुचेरी में एक सीट पर 73.50 प्रतिशत, छत्तीसगढ की एक सीट पर 63.41 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में एक सीट पर 65.08 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में पांच सीट पर 64.77 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में दो सीट पर 67.15 प्रतिशत, सिक्किम में एक सीट पर 69.47 प्रतिशत, नागालैंड में एक सीट पर 56.91 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

डी.एम.के. विजय रथ को रोकने की ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गठबंधन टूट जाने से द्रमुक का काम काफी आसान हो गया।

इस समय तमिलनाडू में मुकाबला दूसरे स्थान के लिए है क्योंकि पहले नम्बर पर द्रमुक है। परन्तु इस विचार को चौथे तत्व सीमान द्वारा चुनौती दी जा रही है, सीमान का नया चुनाव चिन्ह "माईक" है जो पार्टी के नाम के बिल्कुल अनुरूप है जो अपने दमदार विचारों से धूम मचा देता है।

एक मुद्दा है कि राम मंदिर, जिसका मुकाबला करने के लिए उन्होंने भगवान मुरूगन एवं भगवान शिव को मुद्दा बनाया है, जिन्हें ही तमिल भगवान माना जाता है। हालांकि सीमान की पार्टी एन.टी.के. को एक भी सीट मिलने की उम्मीद नहीं है, लेकिन कांटे की टक्कर वाले निर्वाचन क्षेत्रों में यह एक निर्णायक कारक साबित होगी।

द्रमुक की सरकार पिछले तीन वर्षों से प्रदेश स्तर पर अलोकप्रियता व सरकार विरोधी लहर की शिकार हो रही है। परन्तु भाजपा की अति सक्रियता और "आओ और फतह कर लो" की नीति के तहत प्रधानमंत्री का बार-बार तमिलनाडू आना, द्रमुक पर भ्रष्टाचार व वंशवादी राजनीति के आरोप लगाकर हमला करना, यह चतुर चाल तमिलनाडू में विफल हो गई है।

द्रमुक एवं अन्नाद्रमुक पर भाजपा द्वारा भ्रष्टाचार के लिए हमला करना, इलैक्टोरल बॉण्ड पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद हल्का पड़ गया।

भाजपा गठबंधन की कुछ पार्टियों पर पिछले कुछ दशकों में भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके और केन्द्र सरकार ने उनके खिलाफ बहुत ही मामूली कार्यवाही की है। भाजपा के साथ गठबंधन वाले भ्रष्ट आरोपियों में, पी.एम.के. के पूर्व केन्द्रीय मंत्री अम्बुमनी रामदोस हैं जिनकी पत्नी धर्मपुरी सीट से लोकसभा चुनाव में एन.डी.ए. की उम्मीदवार है तथा टी.टी.वी. दिनाकरण (थेनी) जिनको केन्द्रीय जाँच एजेन्सियों ने तिहाड़ जेल में डाल दिया है जिन्हें अन्नाद्रमुक पार्टी के प्रतीक चिन्ह के मुद्दे पर चुनाव आयोग को प्रभावित करने का आरोप हैं।

अभिनेता जोड़ी सरथ कुमार व राधिका जी.एस.टी. में धोखाधड़ी करने के मामले में अभी तक मुकदमें का सामना कर रहे है। यह करीब 8 करोड़ का मामला है जिसमें तत्काल गिरफ्तारी का प्रावधान है, यह लिस्ट लम्बी है। भाजपा का प्रचार अभियान और इसने जो मुद्दे उठाए वे जनता को उत्साहित नहीं कर पाए, उदाहरण के लिए काचातीवू विवाद, जिस पर भारत व श्रीलंका की सरकार के बीच समझौता हो चुका है।

भाजपा ने द्रमुक के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म संबंधी टिप्पणी पर कांग्रेस को शर्मिंदा करने की कोशिश की, पर इससे द्रमुक को ब्राह्मण विरोधी भावनाएं उभारने में मदद मिलीं।

दूसरी ओर स्टालिन ने केन्द्र में तमिलनाडू के साथ वित्तीय आवंटन के मुद्दे पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया आर कहा कि यह संविधान में वर्णित संघवाद के खिलाफ है। इन हालात में अन्नाद्रमुक की कोशिश है कि भाजपा को तीसरे स्थान पर धकेल दिया जाए, लोकसभा चुनावों के नहीं बल्कि विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र। हालांकि, अन्नाद्रमुक जो भी सीट जीतेगी व एन.डी.ए. के खाते में गिनी जाएगी।

'अमेठी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सी.पी.एम. का समर्थन किया था और कांग्रेस का लोकसभा चुनावों में, इससे यह साफतौर पर जाहिर होता है कि माकपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां राष्ट्र-विरोधी ताकतों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्होंने इस बात को विशेषरूप से रेखांकित किया। केरल प्रदेश में, माकपा और कांग्रेस नेता चुनावों में एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं परन्तु ये दिल्ली में एकजुट हैं और ये जनता को धोखा देते हैं। नड्डा ने यह भी कहा कि इंडी गठबंधन की पार्टियों का वैचारिक रूप से दिवाला निकला हुआ है।

पंजाब में मरीज के परिजन ने डॉक्टर पर किया जानलेवा हमला

होशियारपुर, 19 अप्रैल (वार्ता) ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति द्वारा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) डॉ सुनील भगत पर हमला करने के विरोध में शुक्रवार को पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज (पीसीएमएस) एसोसिएशन, पीसीएमएस स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स एसोसिएशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों और ईएसआई अस्पताल के कर्मचारियों ने ईएसआई अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को ईएसआई अस्पताल में विवाद के बाद निजी मिल में कार्यरत एक व्यक्ति ने एसएमओ डॉ. सुनील भगत पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

'ना संविधान को छेड़ेंगे और ना ही आरक्षण हटायेंगे'

अमित शाह ने कहा कि, भाजपा को अगर संविधान बदलना ही होता तो पिछले 10 सालों में हमारे पास खूब बहुमत था हम बहुत पहले ही ऐसा कर चुके होते

- **अमित शाह ने संविधान से पंथनिरपेक्ष (सैक्युलर) शब्द हटाने के आरोपों पर कहा, ''सैक्युलर शब्द हटाने की हमें कोई जरूरत नहीं है। इस देश को पंथनिरपेक्ष बनाने का सबसे बड़ा आग्रह बीजेपी का है, इसीलिए हम समान नागरिक संहिता ला रहे हैं।'**

गांधीनगर/नई दिल्ली, 19 अप्रेल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पहले दिन दो टूक कहा कि उनकी पार्टी और भाजपा की सरकार ना तो आरक्षण हटाएगी और ना ही संविधान से सेक्युलर शब्द हटाएगी। गुजरात के गांधीनगर सीट पर नामांकन दाखिल करने के बाद एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि, कांग्रेस ऐसे आरोप लगाकर देशवासियों को गुमराह कर रही है।

उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि, अगर भाजपा को संविधान बदलना होता तो पिछले 10 सालों से उसके पास बहुमत है, वह दस सालों में ऐसा कभी भी कर सकती थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बहुमत का इस्तेमाल अनुच्छेद 370 हटाने में, नागरिकता संशोधन कानून लाने में, तीन तलाक समाप्त करने में किया है। संविधान से पंथनिरपेक्ष (सैक्युलर) शब्द हटाने के आरोपों पर उन्होंने कहा, "सैक्युलर शब्द हटाने की हमें कोई जरूरत नहीं है। इस देश को पंथनिरपेक्ष बनाने का सबसे बड़ा आग्रह भाजपा का है, इसीलिए हम समान नागरिक संहिता ला रहे हैं।" केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, "कांग्रेस देश को शरिया के नाम पर चलाना चाहती है, इसलिए उन्हें सैक्युलर बनने की जरूरत है, हमें नहीं।" शाह ने कहा कि, हम तो कह रहे हैं कि इस देश का संविधान धर्म के आधार पर होना चाहिए।

अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह से वे कहते फिर रहे हैं कि भाजपा आरक्षण हटा देगी तो ये बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि, भाजपा ना तो आरक्षण हटाएगी और ना ही हटाने देगी। उन्होंने कहा कि, बहुमत का इस्तेमाल कर कांग्रेस ने कई गलत फैसले लिए हैं और अगर आगे भी ऐसा करने की सोचेगी तो भाजपा ऐसा करने नहीं देगी। गृह मंत्री ने संविधान में संशोधन की सरकार की योजना संबंधी अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "अगर हमें संविधान बदलना होता, तो हम पहले ही कर सकते थे।" शाह ने कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने संसद में उसे प्राप्त बहुमत का कभी दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, "हमारे पास दस साल तक जो बहुमत रहा, हमने उसका दुरुपयोग नहीं किया।

राज्य की बारह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पक्ष में वोटिंग प्रतिशत ऊंचा रहा था और भाजपा इस बार यह जोर देकर कह रही है कि उसकी सीटों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन ममता बनर्जी निरंतर संघर्ष की मुद्रा में है और खबरें भी संकेत दे रही हैं कि वे अपना जनाधार बनाए रखेंगी। तमिलनाडू के सभी 39 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आज मतदान हुआ। यहाँ द्रमुक और कांग्रेस को स्वयं के जीतने की उम्मीद है। चूंकि मोदी का तमिलनाडू और केरल पर अधिक फोकस रहा है, इसलिए भाजपा को तमिलनाडू में कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है, लेकिन इस चुनाव में भाजपा को यहाँ कोई कामयाबी मिलना संभव नहीं लगता।

'जेल में केजरीवाल को उपलब्ध नहीं कराई जा रही इन्सुलिन'

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (वार्ता)। आप ने मोदी सरकार के इशारे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में उनको इंसुलिन नहीं दी जा रही है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की कार्य पद्धित और और उनके नेता जिस तरह से काम करते हैं, वह किसी की जान लेने की हद तक षड़यंत्र रच सकते हैं।

- **आप नेता संजय सिंह ने कहा कि, ऐसा करके एक निर्वाचित मु.मंत्री के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।**

केजरीवाल के खिलाफ चल रही कार्रवाई को देखकर कह सकता हूं कि उनके खिलाफ गहरी साजिश रची गई है और जेल में उनके साथ किसी भी तरह का हादसा हो सकता है।

'भाजपा देश में विपक्ष को खत्म कर मनमानी करना चाहती है'

सचिन पायलट टोंक-सवाई माधोपुर में हरीश मीणा के समर्थन में आयोजित जनसभा में बोले

- **पायलट ने टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट के चौथ का बरवाड़ा, बौली, निवाई और खेड़ली में हरीश मीणा के लिए जनसभाएं की।**
- **पायलट ने खेड़ली व चौथ का बरवाड़ा में हरीश मीणा के समर्थन में रोड शो भी किया, चौथ का बरवाड़ा में सचिन खुद कार चलाते हुए देखे गए।**
- **पायलट ने जनता से अपील की कि, 26 अप्रैल को पोलिंग बूथ पहुंचकर मतदान अवश्य करें।**

बौंली, बामनवास, (निस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा एवं बौली, बामनवास क्षेत्र के खेड़ली गांव में शुक्रवार को टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी हरीश मीणा के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। इसके अलावा उन्होंने रोड शो भी किया।

पायलट ने अपने भाषण में भाजपा सरकार पर देश में विपक्ष को खत्म करके मनमर्जी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह चुनाव देश में बदलाव चाहता है। कभी भी राहुल गांधी, सोनिया गांधी व अन्य कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में किसी भी पार्टी को समाप्त करने की बात नहीं कही लेकिन भाजपा देश को कांग्रेस मुक्त बनाने की बात करती है। दिल्ली एवं झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल में डाल रखा है। चौथ का बरवाड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के हेलीपैड पर उतरने पर कांग्रेस के पूर्व खंडार विधायक अशोक बैरवा, सवाई माधोपुर पूर्व विधायक दानिश अबरार, ब्लॉक अध्यक्ष विमल मीणा सहित अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सचिन पायलट ने चौथ का बरवाड़ा के मुख्य बाजार में स्वयं कार चलते हुए हरीश मीणा के लिए रोड शो किया।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने निवाई के ग्राम पंचायत नयागांव की सभा को भी संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरी प्रसाद बैरवा, विधायक इंद्रा मीणा, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पीसीसी उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, टोंक सवाईमाधोपुर से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश मीणा सहित हजारों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण व कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि 26 अप्रेल को पोलिंग बूथ पर पंहुचकर शत प्रतिशत मतदान करें। उन्होंने आरोप लगाया। भाजपा सरकार ने सारे हवाई अड्डे, रेलवे की लाइन, कल कारखाने, बिजली घर सहित सभी विभागों को बेच दिया है। पायलट ने कहा कांग्रेस के घोषण पत्र में प्रत्येक परिवार की महिला को उसके खाते में हर वर्ष 1 लाख रूपए डालने की घोषणा की है, यानि एक लाख रुपए प्रत्येक परिवार को हमारी पार्टी की सरकार बनने के बाद मिलेंगे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सवाई माधोपुर के बौली-बामनवास क्षेत्र के खेड़ली गाँव में हरीश मीणा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसके अतिरिक्त पायलट ने खुद कार ड्राइव करते हुये हरीश मीणा के लिए रोड शो भी किया। पायलट के सवाई माधोपुर आगमन पर स्थानीय नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908